अभ्यास पुस्तिका

बाल भारती

भाग 1

(पहली कक्षा के लिए)

पुस्तिका

बाल भारती

भाग 1

(पहली कक्षा के लिए)

संयुक्ता लूदरा
सत्येन्द्र वर्मा

राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्
NATIONAL COUNCIL OF EDUCATIONAL RESEARCH AND TRAINING

ISBN 81-7450-022-7

प्रथम संस्करण
मई 1987 : ज्येष्ठ 1909

प्रथम संशोधित संस्करण
अप्रैल 1997 : बैसाख 1919

द्वितीय संशोधित संस्करण
सितंबर 2002 : भाद्रपद 1924

प्रथम पुनर्मुद्रण
फरवरी 2003 : फाल्गुन 1924

PD 230T +25T(A) MB

एन.सी.ई.आर.टी. के प्रकाशन विभाग के कार्यालय

एन.सी.ई.आर.टी. कैंपस	108, 100 फीट रोड, होस्डेकेरे	नवजीवन ट्रस्ट भवन	सी.डब्ल्यू.सी. कैंपस
श्री अरविंद मार्ग	हेली एक्सटेंशन बनाशंकरी III इस्टेज	डाकघर नवजीवन	निकट: धनकल बस स्टॉप
नई दिल्ली 110 016	**बैंगलूर 560 085**	**अहमदाबाद 380 014**	**पनिहटी, कोलकाता 700 114**

प्रकाशन सहयोग

संपादन : मरियम बारा
उत्पादन : विनोद देवीकर
मुकेश कुमार गौड़
सज्जा : डी. के. शेंडे
आवरण : कर्ण कुमार चड्डा

रु. 25.00

एन.सी.ई.आर.टी. वाटर मार्क 80 जी.एस.एम. पेपर पर मुद्रित

प्रकाशन विभाग में सचिव, राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्, श्री अरविंद मार्ग, नई दिल्ली 110016 द्वारा प्रकाशित तथा लक्ष्मी प्रिन्ट इण्डिया, 556, जी॰टी॰ रोड, शाहदरा, दिल्ली 110032 द्वारा मुद्रित।

प्राक्कथन

भाषा मनुष्य के वैयक्तिक और सामाजिक जीवन के विकास के लिए सबसे उपयोगी साधन है, इसलिए भाषा सीखना व्यक्ति की मूलभूत आवश्यकता है। यह एक सहज प्रक्रिया है। भाषा की शिक्षा के बिना मनुष्य का सामाजिक और बौद्धिक विकास पूर्ण नहीं होता। भाषा का प्रवाह व्यक्ति और समाज में निरंतर चलता रहता है। भाषा शिक्षण का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों को इस योग्य बनाना है जिससे वे भाषा के प्रवाह में स्वयं तैर सकें।

पाठ्यचर्या, पाठ्यक्रम और पाठ्यसामग्री का निर्माण एक सतत प्रक्रिया है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 1986 के तहत परिषद् ने नवीन पाठ्यपुस्तकों के निर्माण की जो श्रृंखला प्रारंभ की थी उसमें अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग 1 प्राथमिक कक्षाओं में मातृभाषा हिन्दी पढ़ाने के लिए निर्मित पुस्तक की पहली कड़ी है। इस पुस्तक का प्रथम संस्करण 1987 में प्रकाशित किया गया था। सन् 2000 में परिषद् द्वारा विद्यालयी शिक्षा के लिए राष्ट्रीय पाठ्यचर्या निर्मित की गई और उसके आधार पर पाठ्यक्रमों का नव निर्माण किया गया। इस पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रम का मुख्य उद्देश्य है – बस्ते के बोझ को कम करना, पाठ्यसामग्री को अद्यतन बनाना और मूल्यपरक शिक्षा। परिषद् ने पाठ्यचर्या और पाठ्यक्रमों को आधार बनाकर विभिन्न विषयों में नई पाठ्यपुस्तकों का निर्माण तथा अन्य पाठ्यसामग्री में संशोधन/परिवर्धन का कार्य आरंभ किया है।

प्रस्तुत अभ्यास पुस्तिका, बाल भारती भाग 1 की पाठ्यसामग्री पर आधारित है। बाल भारती भाग 1 के विभिन्न पाठों द्वारा बच्चों में हिंदी वर्णमाला के ज्ञान के साथ ही शब्द–ज्ञान तथा अर्थग्रहण संबंधी कुशलताओं का विकास प्रारंभ किया जा चुका है। उनको और अधिक पुष्ट बनाने के लिए तथा लेखन की यांत्रिक कुशलताओं के ज्ञान को सुदृढ़ करने के लिए अभ्यास पुस्तिका का निर्माण किया गया है।

आशा है कि अभ्यास पुस्तिका बाल भारती भाग 1 के संशोधित संस्करण का विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा स्वागत होगा।

इस अभ्यास पुस्तिका को और अधिक उपयोगी बनाने के लिए अध्यापकों और भाषाविदों द्वारा भेजे गए सुझावों का हम सदैव स्वागत करेंगे।

जगमोहन सिंह राजपूत
निदेशक
राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद्

नई दिल्ली
सितंबर 2002

समीक्षा, संशोधन कार्यगोष्ठी के सदस्य

1. प्रो. मा.गो. चतुर्वेदी
   173, नीलगिरी, अलकनंदा
   नई दिल्ली

2. प्रो. भगवत रावत
   129 आराधना नगर
   कोटरा, भोपाल (म.प्र.)

3. डॉ. आनन्द प्रकाश व्यास
   छाया, एम.डी. 56
   विशाखा एन्कलेव
   दिल्ली

4. श्रीमती संयुक्ता लूदरा
   रीडर (अवकाश प्राप्त)
   सी–20/सी, गंगोत्री अपार्टमैंटस
   अलकनंदा,
   नई दिल्ली

5. डा. नीरा नारंग
   शिक्षा विभाग
   दिल्ली विश्वविद्यालय
   दिल्ली

6. श्री जगमोहन सिंह
   I-के/3, रामप्रिया निवास
   प्रयाग स्टेशन के पास
   रामप्रिया रोड,
   इलाहाबाद (उ.प्र.)

7. सुश्री कुसुमलता अग्रवाल
   टी.जी.टी.
   सर्वोदय बाल विद्यालय
   रमेश नगर, नई दिल्ली

8. श्री विजय नारायण पाण्डेय
   वसंत वैली पब्लिक स्कूल
   महिपाल पुर,
   नई दिल्ली

9. श्रीमती प्रभा शर्मा
   अध्यापिका
   दिल्ली पब्लिक स्कूल
   मथुरा रोड, नई दिल्ली

10. प्रो. कृष्णकान्त वशिष्ठ
    विभागाध्यक्ष, प्रा.शि.विभाग
    राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और
    प्रशिक्षण परिषद्
    नई दिल्ली

11. इन्दु सेठ **(विभागीय सदस्य)**
    राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और
    प्रशिक्षण परिषद्
    नई दिल्ली

12. प्रो. रामजन्म शर्मा **(संयोजक)**
    राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और
    प्रशिक्षण परिषद्
    नई दिल्ली

अभ्यास पुस्तिका के उद्देश्य

बाल भारती भाग 1 में सरल, परिचित और प्रचलित शब्दों का प्रयोग करते हुए पाठों का विकास किया गया है। बच्चों की रुचियों और परिवेश को ध्यान में रखते हुए विभिन्न प्रसंगों, कहानियों और कविताओं का समावेश किया गया है। बाल भारती भाग 1 की इस अभ्यास पुस्तिका में भाषा की मूलभूत योग्यताओं–सुनना, बोलना, पढ़ना तथा लिखना का क्रमिक विकास किया गया है। ये मूलभूत योग्यताएँ आपस में इस तरह गुथी हुई हैं कि किसी एक योग्यता को सिखाते समय अन्य योग्यताएँ स्वतः ही विकसित होती जाती हैं। सुनने और बोलने की कुशलताओं को अलग–अलग सिखाने की कल्पना करना भी असंभव है। इसी बात को ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत अभ्यास पुस्तिका में किसी एक उद्देश्य की पूर्ति करते हुए हम अन्य अनेक कुशलताओं को भी बच्चे में विकसित करते जाते हैं।

अभ्यास पुस्तिका के सभी अभ्यास पाठ्यपुस्तक बाल भारती भाग 1 के पाठों पर आधारित हैं। प्रत्येक पाठ से संबंधित कुशलताओं को दृढ़ करने के लिए और प्राप्त ज्ञान को स्थायी बनाने के लिए अभ्यास पुस्तिका में अतिरिक्त अभ्यास दिए गए हैं। जहाँ ये अभ्यास प्रतिभाशाली बच्चों के लिए स्वतः सीखने का मार्ग प्रशस्त करते हैं वहीं देर से सीखने वाले बच्चों को बार–बार अभ्यास द्वारा प्रत्येक योग्यता के अंतर्गत विभिन्न भाषा कुशलताओं के सीखने और समझने का अवसर भी प्रदान करते हैं।

प्रत्येक अभ्यास से संबंधित उद्देश्य और निर्देश साथ–ही–साथ दिए गए हैं। ये संकेत शिक्षकों के लिए ही हैं क्योंकि बच्चे अभी इन्हें नहीं पढ़ सकते। किसी भी अभ्यास को कराने से पहले उसे श्यामपट पर आवश्यक उदाहरण देकर बच्चों को अच्छी तरह बता देना चाहिए कि उन्हें वह अभ्यास किस प्रकार करना है। शिक्षक इन्हें अपनी सुविधानुसार कार्डों की सहायता से भी करवा सकते हैं। मंद गति से सीखने वाले बच्चों की आवश्यकताओं को देखते हुए शिक्षक स्वयं इसी प्रकार के अन्य अभ्यासों का निर्माण भी कर सकते हैं। यह आवश्यक है कि शिक्षक बच्चों की अभ्यास पुस्तिकाओं की नियमित जाँच करें और उनकी अशुद्धियों को ठीक करवाएँ।

पाठ्यपुस्तक में सीखे गए स्वर, व्यंजन, मात्रा और संयुक्ताक्षरों को लिखने के अभ्यास भी इसमें दिए गए हैं जो उत्तरोत्तर शब्दों और वाक्यों की लिखने तथा सुडौल और सुंदर लेख में सहायता प्रदान करते हैं। वर्णों को लिखना सिखाने के लिए क्रमिक चरण भी दिए गए हैं जिससे यह पुस्तिका एक तरह से सुलेख–पुस्तिका का भी काम करती है। शब्दों का प्रसंगानुसार प्रयोग, वाक्य–निर्माण तथा व्यावहारिक व्याकरण का ज्ञान भी कराने का प्रयास किया गया है। इस अभ्यास पुस्तिका में बच्चों की रचनात्मक प्रवृत्ति और कल्पनाशक्ति के विकास के लिए भी पर्याप्त अभ्यास दिए गए हैं। बच्चों में कल्पनाशक्ति का सहज विकास हो सके इसके लिए चित्र बनाने वाले अभ्यास भी अभ्यास पुस्तिका में दिए गए हैं।

गांधी जी का जन्तर

तुम्हें एक जन्तर देता हूं। जब भी तुम्हें सन्देह हो या तुम्हारा अहम् तुम पर हावी होने लगे, तो यह कसौटी आजमाओ:

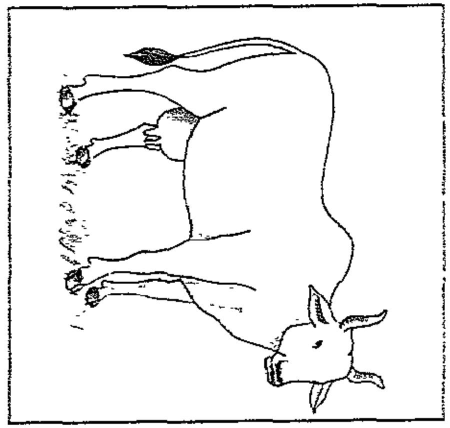
जो सबसे गरीब और कमज़ोर आदमी तुमने देखा हो, उसकी शकल याद करो और अपने दिल से पूछो कि जो कदम उठाने का तुम विचार कर रहे हो, वह उस आदमी के लिए कितना उपयोगी होगा। क्या उससे उसे कुछ लाभ पहुंचेगा? क्या उससे वह अपने ही जीवन और भाग्य पर कुछ काबू रख सकेगा? यानी क्या उससे उन करोड़ों लोगों को स्वराज्य मिल सकेगा जिनके पेट भूखे हैं और आत्मा अतृप्त है?

तब तुम देखोगे कि तुम्हारा सन्देह मिट रहा है और अहम् समाप्त होता जा रहा है।

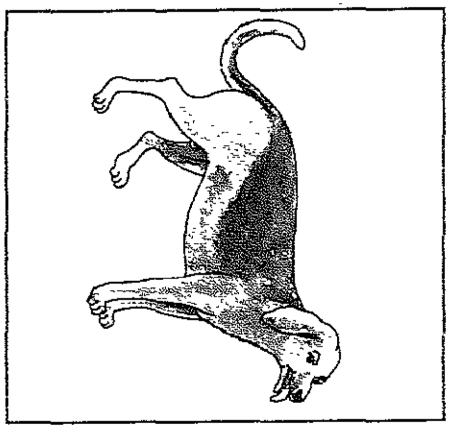
मो. क. गांधी

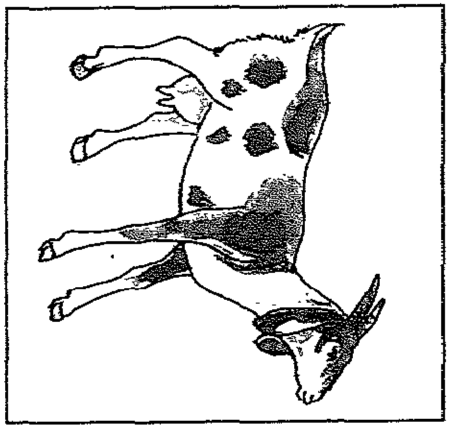
उद्देश्य : सूक्ष्म वस्तु की ओर ध्यान दिलाना।

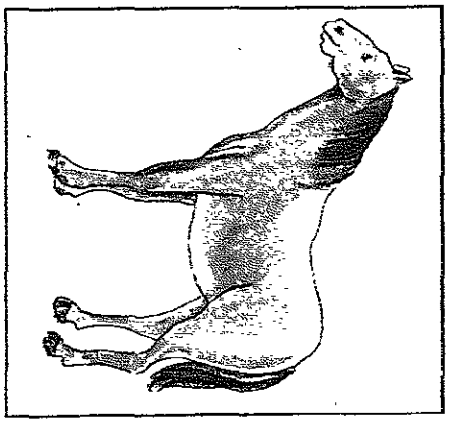
निर्देश : इन पशुओं के विषय में बातचीत करने के बाद बच्चों से कहिए : (1) गाय की पूँछ पर गोला लगाओ। (2) गाय के सींगों पर गोला लगाओ। हाथी की सूँड़, हाथी के कान, कुत्ते की पूँछ, कुत्ते की आँख, बकरी के पैर, बकरी के सींग, घोड़े के मुँह तथा खुर पर गोला लगाओ।





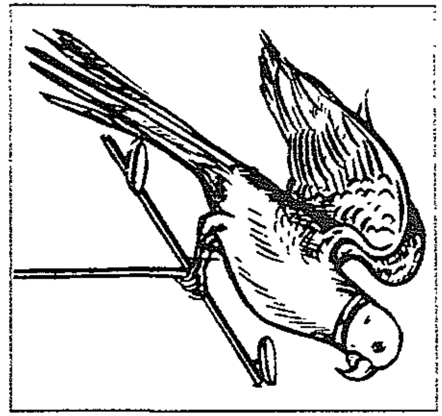


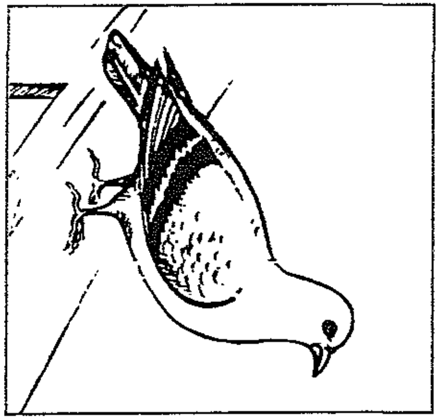


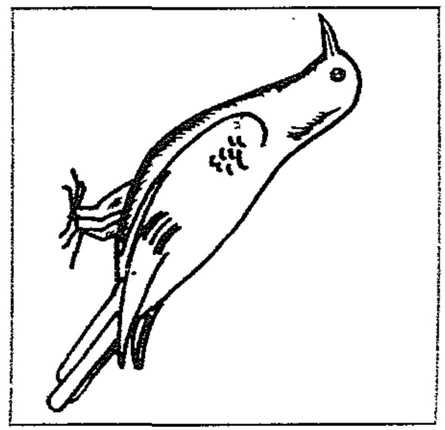


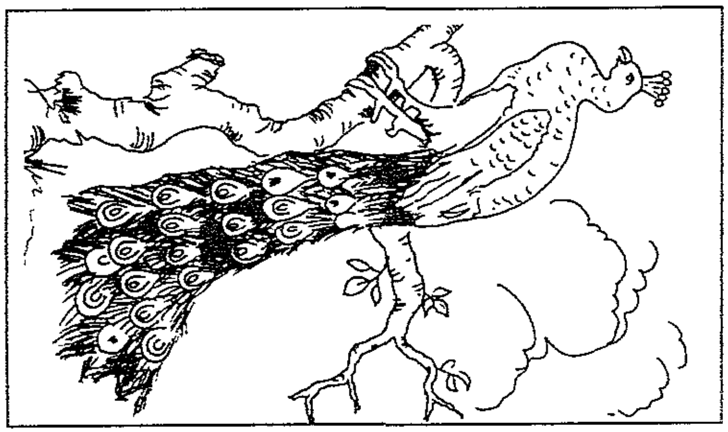
उद्देश्य : 1. गति नियंत्रण की कुशलता का विकास करना। 2. रंगों की पहचान करना।

निर्देश : बच्चों से कहिए : पहला चित्र देखो। बताओ, यह किसका चित्र है? तोता किस रंग का होता है? तोते की चोंच किस रंग की होती है? अब इस चित्र में रंग भरो। इसी प्रकार कबूतर, कौआ और अन्य सभी चित्रों में रंग भरवाइए।



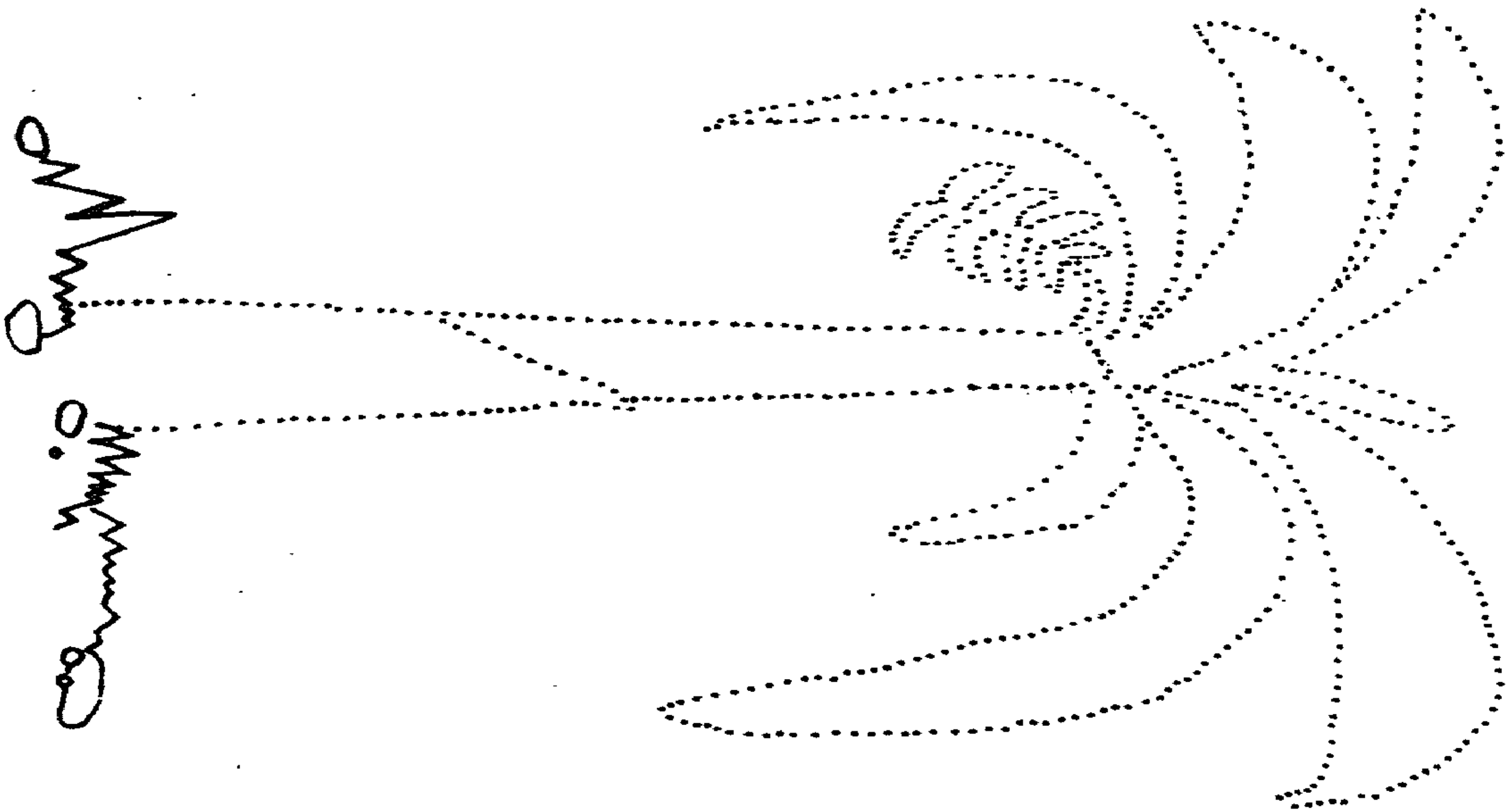






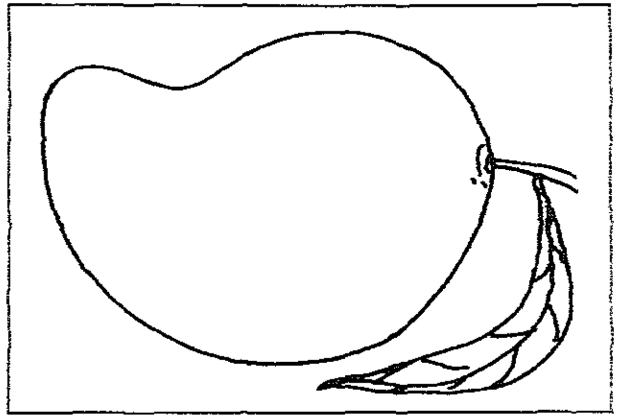
उद्देश्य : 1. गति–नियंत्रण की कुशलता का विकास करना। 2. रंगों की पहचान करना।

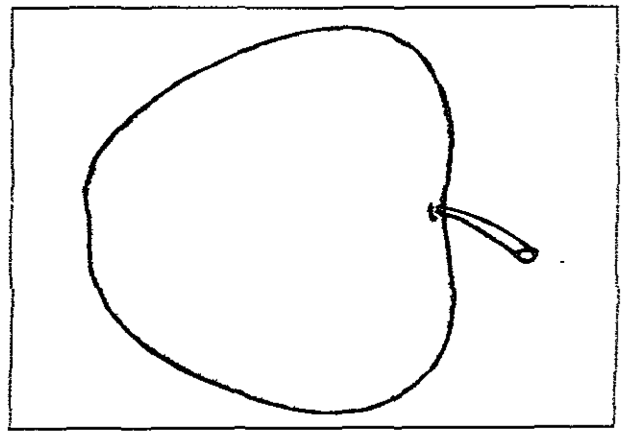
निर्देश : बच्चों से कहिए : बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा करें; उनसे पूछिए : यह किसका पेड़ है? इसमें कौन सा फल लगा है? अब बच्चो से इस चित्र में रंग भरवाइए।

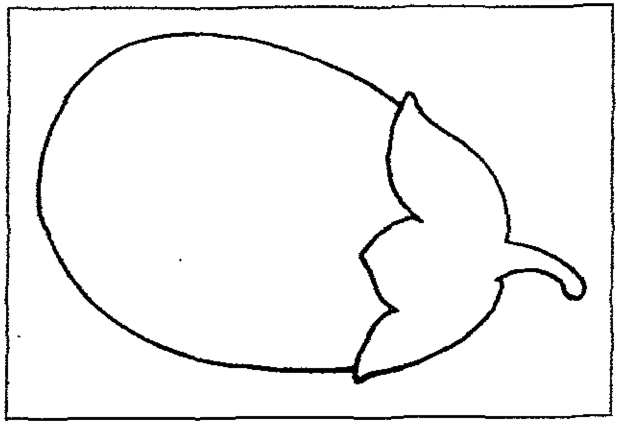


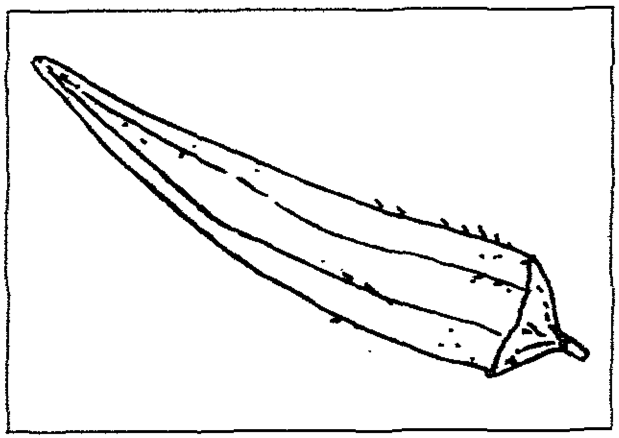
उद्देश्य : 1. गति–नियंत्रण की कुशलता का विकास करना। 2. रंगों की पहचान करना।

निर्देश : बच्चों से पूछिए : आम किस रंग का होता है? सेब का रंग कैसा होता है? अब बच्चों से इन चित्रों में रंग भरवाइए। इसी प्रकार बैंगन और भिंडी के विषय में बातचीत कीजिए और रंग भरवाइए।



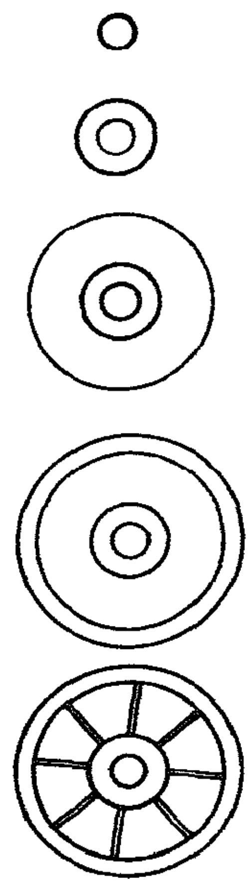


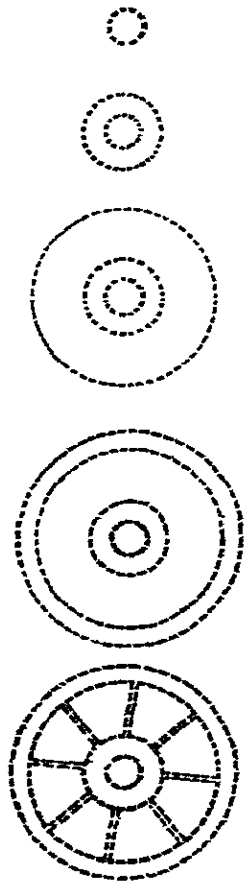


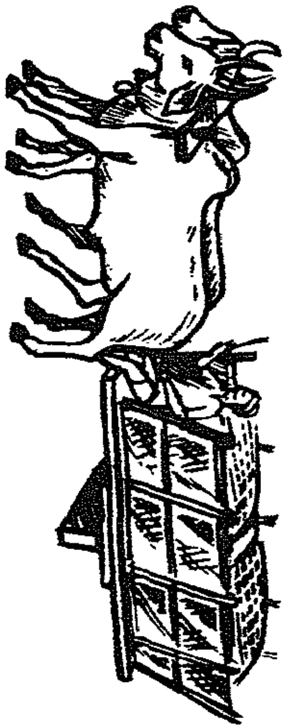


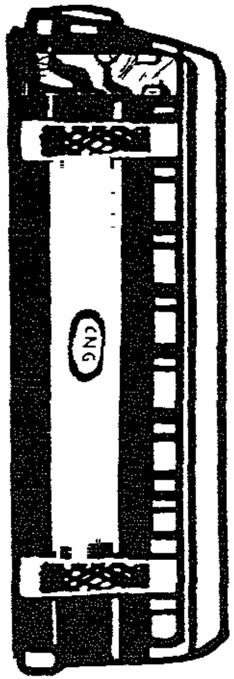
उद्देश्य : लेखनारंभ की कुशलता का विकास करना।

निर्देश : बच्चों से कहिए : ऊपर के चित्र देखो। यह पहिया बना है। नीचे के चित्रों में बिंदु मिलाकर पहिए का चित्र पूरा करो। अब बैलगाड़ी का चित्र देखो। बैलगाड़ी का कौन सा भाग नहीं बना है? (पहिया शब्द निकलवाइए)। उसे बनाओ। बस का चित्र देखो। इसे पूरा करो।



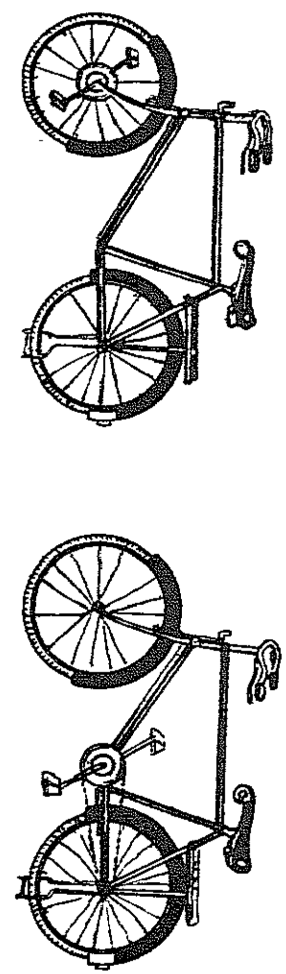


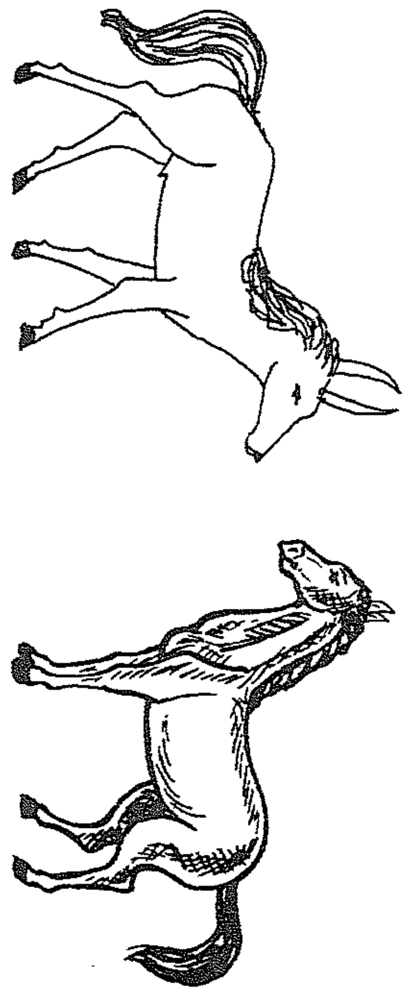


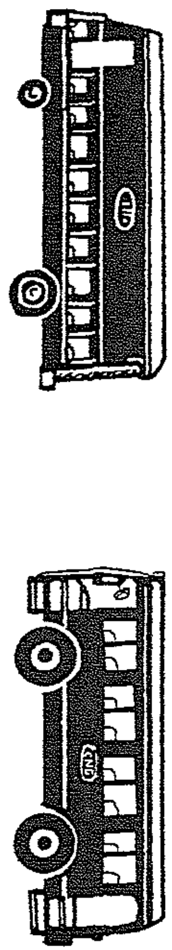


उद्देश्य : असंगत बात का पता लगाना।

निर्देश : साइकिल के दोनों चित्र दिखाइए। पूछिए : साइकिल का सही चित्र कौन सा है? गलत चित्र में जहाँ–जहाँ गलती हो (X) लगवाइए। इसी प्रकार दूसरी और तीसरी पंक्ति के चित्रों में जहाँ गलती हो (X) लगवाइए।

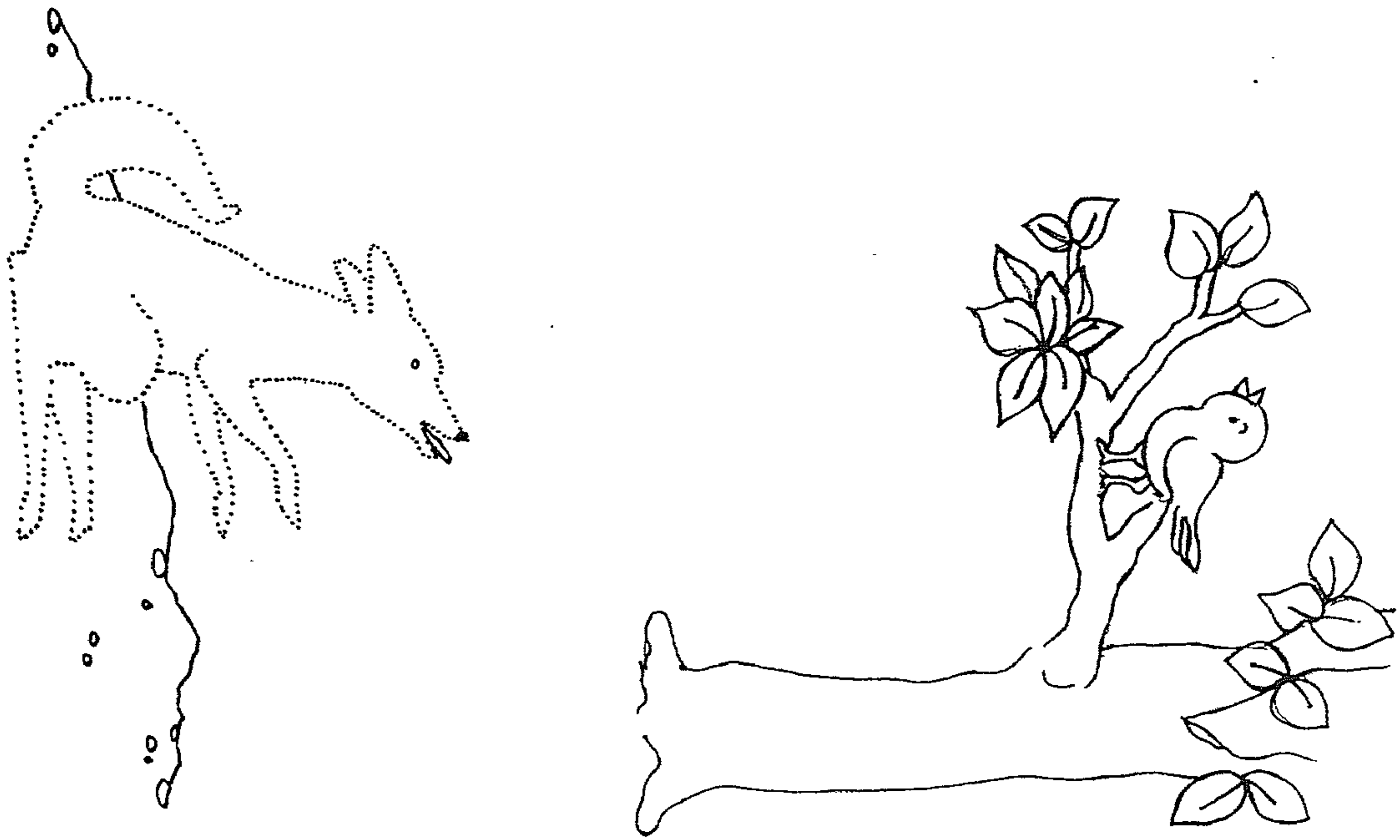






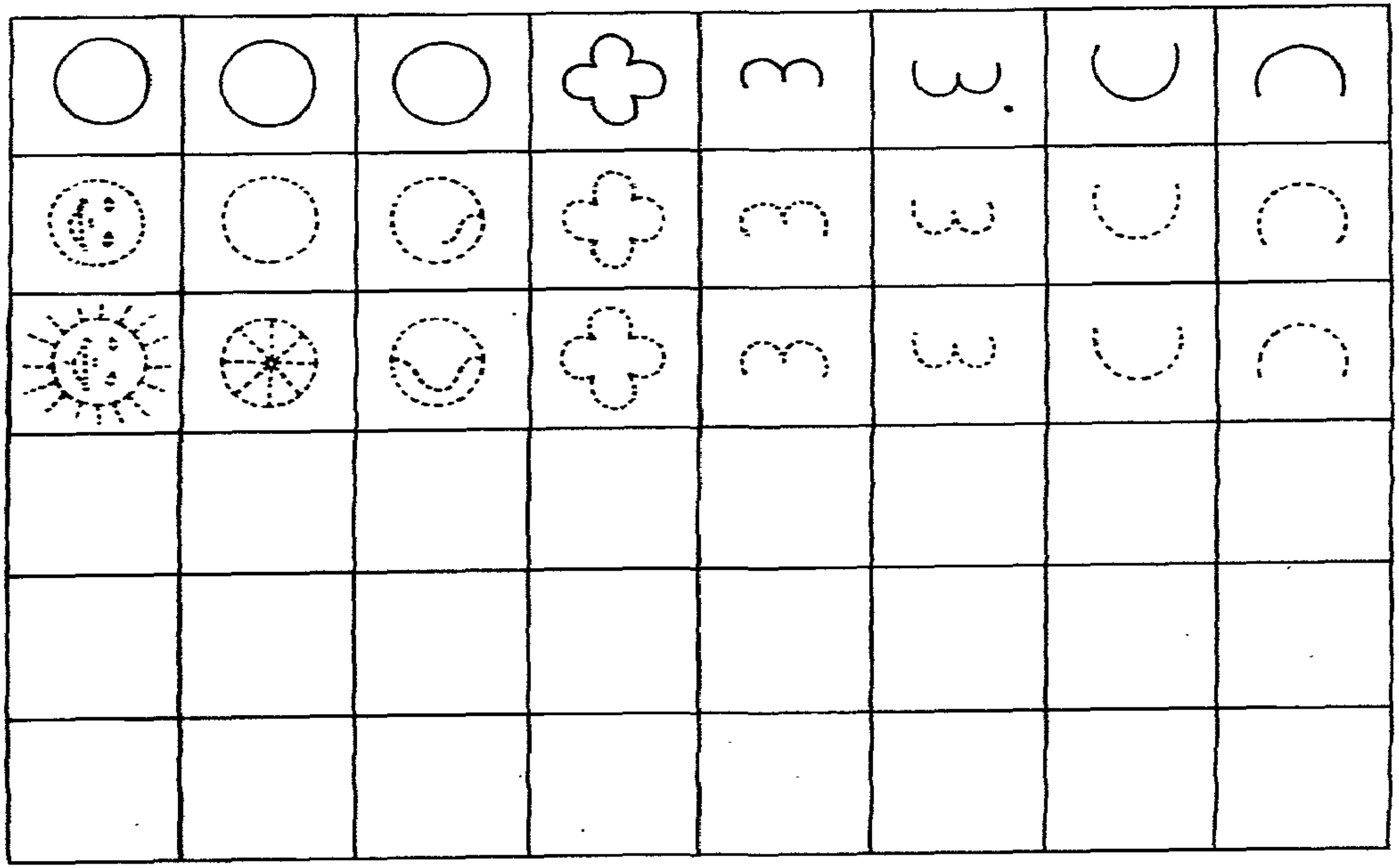
उद्देश्य : 1. रंगों से परिचित कराना। 2. गति–नियंत्रण की कुशलता का विकास करना।

निर्देश : कहिए : इस चित्र में रंग भरो।



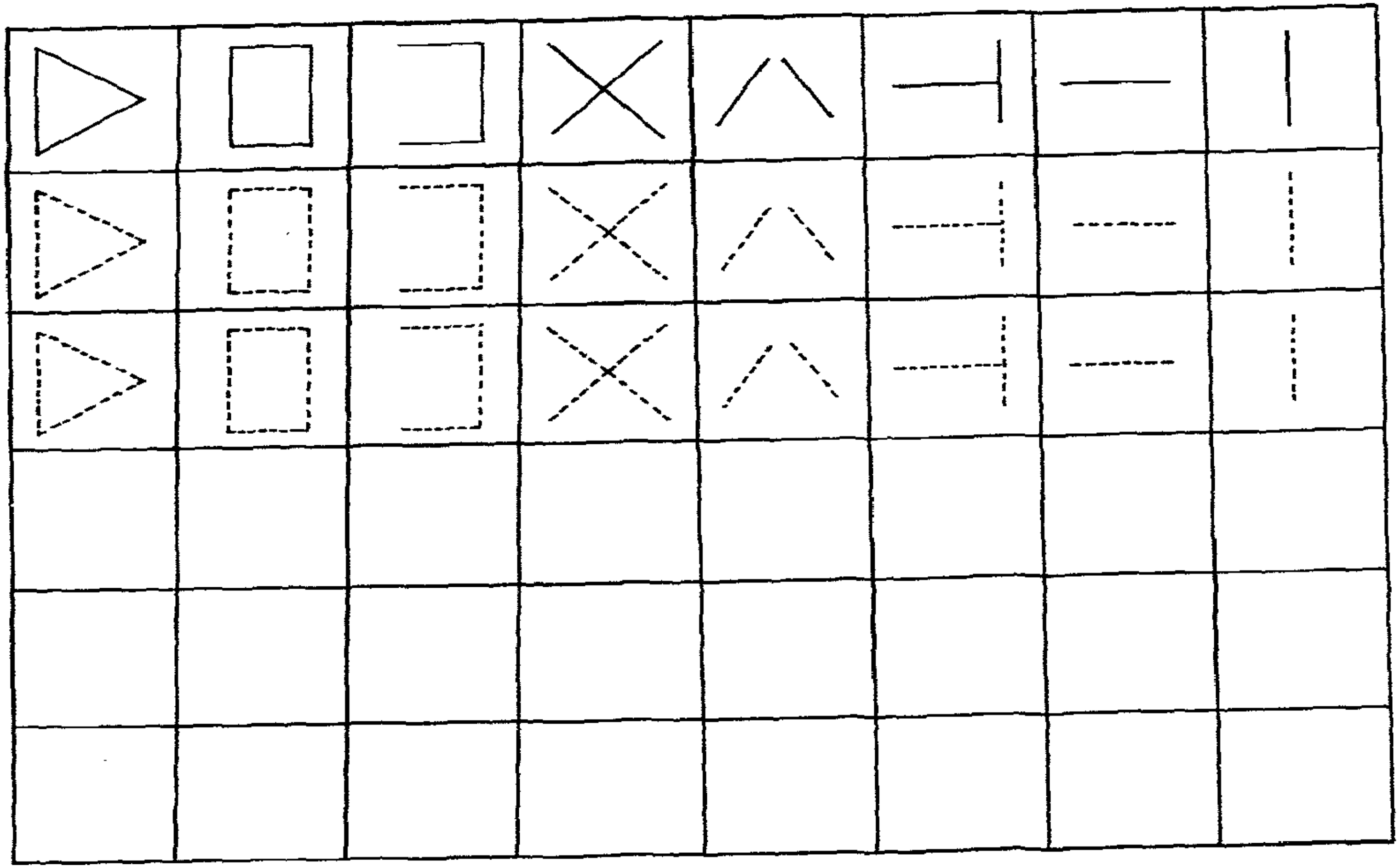
उद्देश्य : 1. मूल आकृतियों का अभ्यास कराना। 2. गति–नियंत्रण की कुशलता का विकास करना।

निर्देश : बाईं ओर बनी आकृतियों को दिखाकर कहिए : दाईं ओर की आकृतियों के बिंदुओं को मिलाकर उन्हें पूरा करो। ऐसे चित्र खाली जगहों में बनाओ।



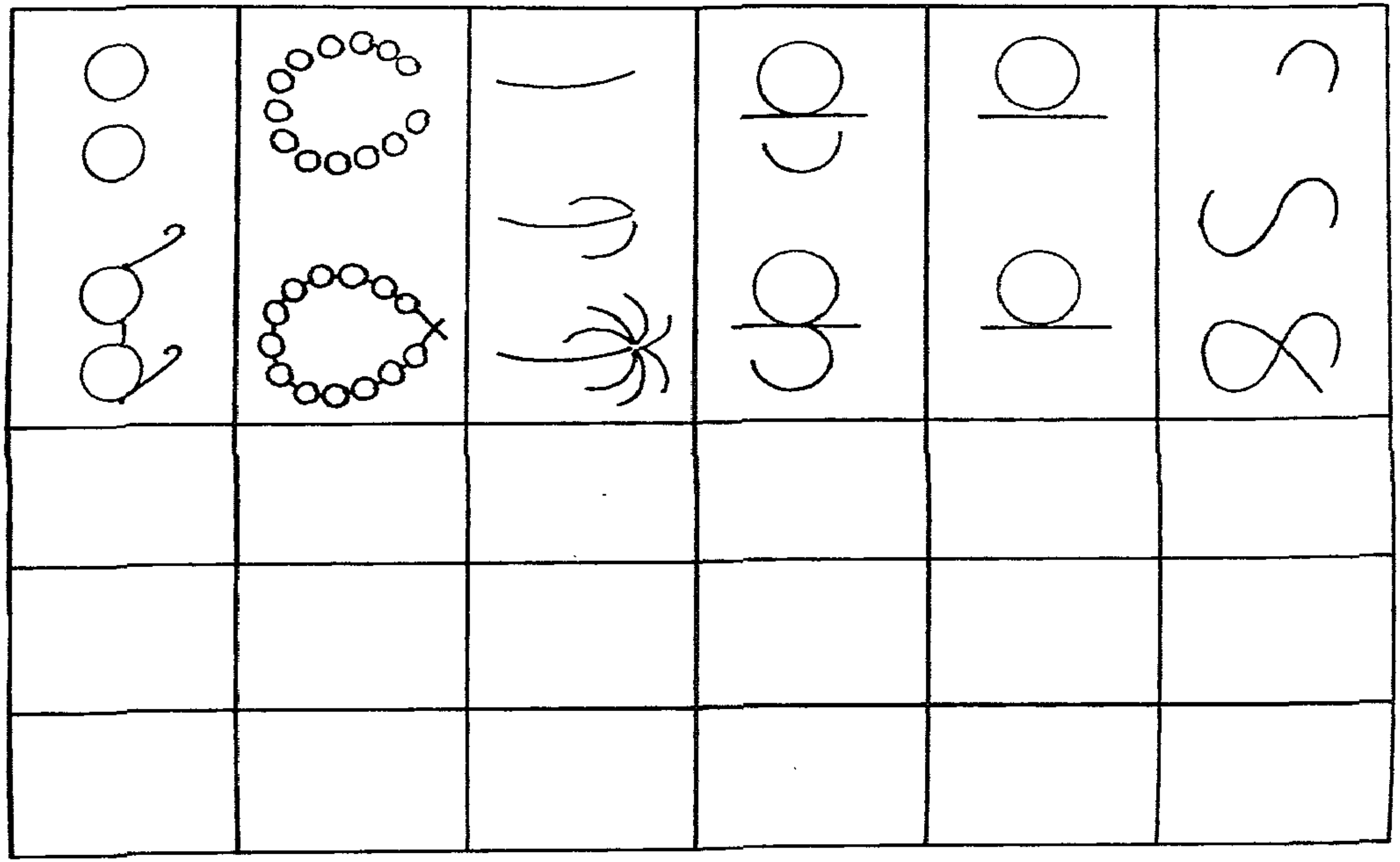
उद्‌देश्य : 1. मूल आकृतियों का अभ्यास करवाना। 2. गति–नियंत्रण की कुशलता का विकास करना।

निर्देश : बाईं ओर बनी आकृतियों को दिखाकर कहिए : बिंदुओं को मिलाकर दाईं ओर की आकृतियों को पूरा करो। ऐसे चित्र खाली जगहों में बनाओ।



उद्देश्य : 1. लेखनारंभ की कुशलता का विकास करना। 2. चित्रांकन में रुचि उत्पन्न करना।

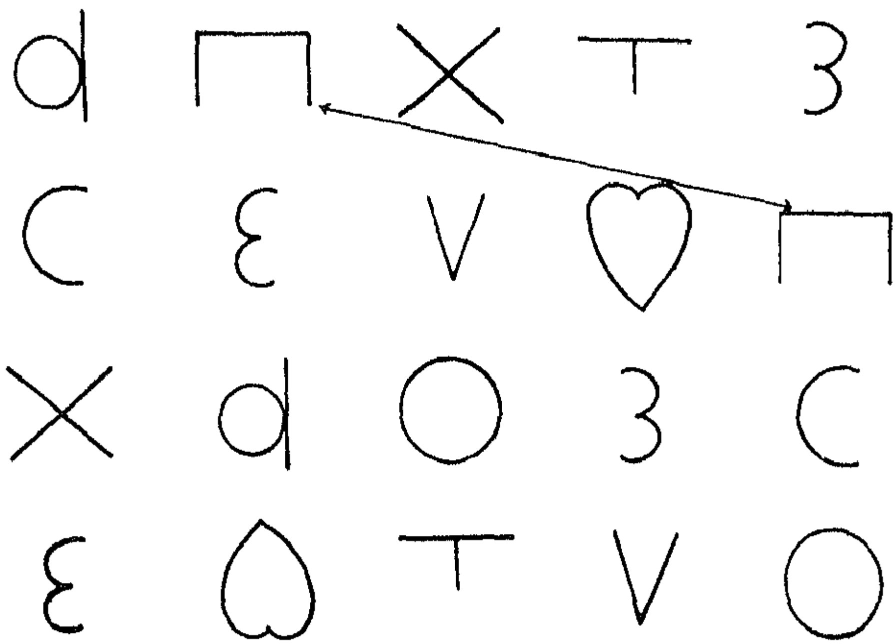
निर्देश : बाईं ओर बनी आकृतियों को दिखाकर कहिए : ऐसे चित्र खाली जगह मं बनाओ।



पाठ एक

अभ्यास 1

उद्देश्य : आकृतियों को पहचानना।
निर्देश : एक जैसी बनावट वाली आकृतियों को रेखा खींचकर मिलवाइए।



अभ्यास 2

उद्देश्य : 1. शब्दों (सीखे हुए वर्णों से बने) की आकृतियों में अंतर करना।
2. शब्द पढ़ने का अभ्यास।
निर्देश : प्रत्येक पंक्ति में पहले बाईं ओर के शब्द को देखने के लिए कहिए। फिर उसे दाईं ओर के शब्दों में से ढूँढ़वाकर उसके नीचे रेखा खिंचवाइए।

बस	सब	नल	बस
नल	नल	बल	नस
सब	बस	सब	नल
बन	सब	बल	बन

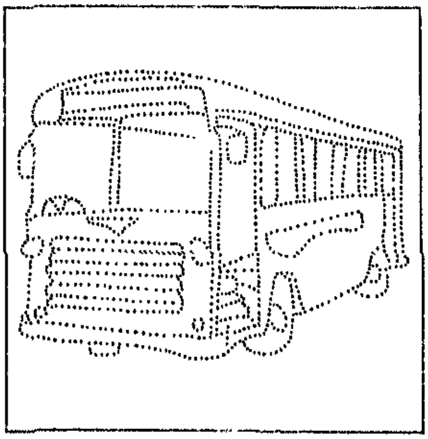
अभ्यास 3

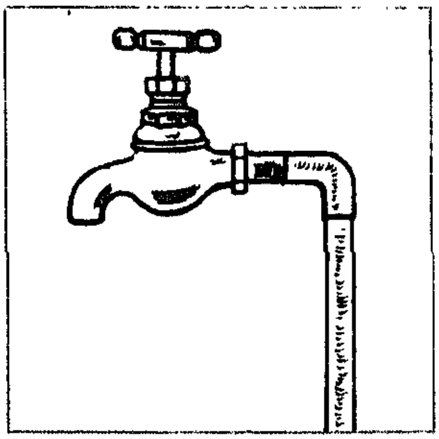
उद्देश्य : वर्णों की आकृति की पहचान।
निर्देश : बाईं ओर के लिखे वर्ण को दाईं ओर के शब्दों से ढूँढवाकर उसके चारों ओर गोला लगवाइए।

ब	बस	नल	सब
न	सन	सब	नल
स	बल	सब	बस
ल	बल	नल	बस

अभ्यास 4

उद्देश्य : चित्र बनाना।
निर्देश : बिंदुओं को मिलवाकर बस का चित्र पूरा करवाइए। नल के नीचे बाल्टी का चित्र बनवाइए। चित्रों में रंग भरवाइए।





पाठ दो

अभ्यास 1

उद्देश्य : 1. समान आकृति वाले शब्द पहचानना।
2. शब्द पढ़ने का अभ्यास।

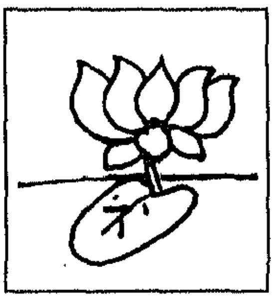
निर्देश : प्रत्येक पंक्ति में पहले बाईं ओर के शब्द को देखने के लिए कहिए। फिर उसे दाईं ओर के शब्दों में से ढूँढवाकर उसके नीचे रेखा खिंचवाइए।

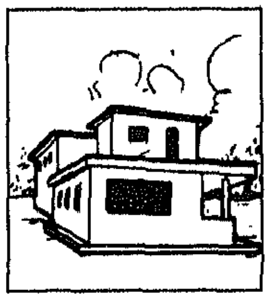
घर	बस	घर	रस
कल	कब	कम	कल
मन	मन	नम	कम
कलम	नमक	कलम	कमर

अभ्यास 2

उद्देश्य : 1. चित्र–संकेत की सहायता से शब्द पहचानना।
2. गति–नियंत्रण की कुशलता का विकास करना।

निर्देश : बच्चों से कहिए, चित्र को देखें और चित्र के नाम को ढूँढकर, चित्र तक रेखा खींचें। जैसे कलम के चित्र से कलम तक रेखा खींची गई है। फिर चित्र में रंग भरो।



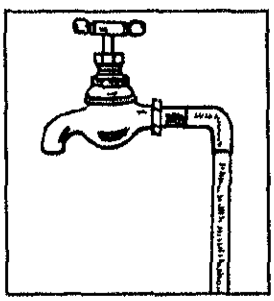


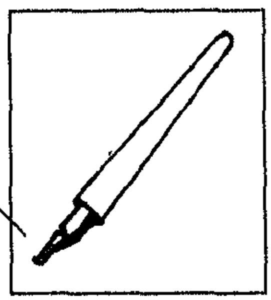
नल

कमल

कलम

घर

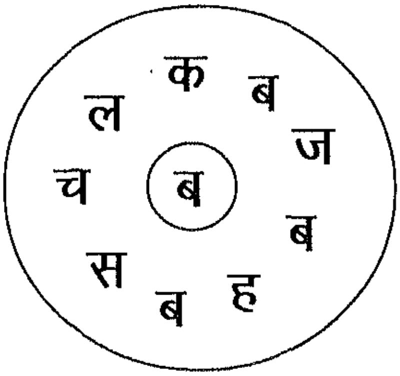


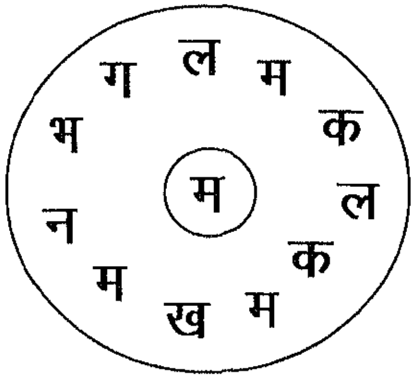


अभ्यास 3

उद्देश्य : सीखे हुए वर्णों को पहचानने का अभ्यास।

निर्देश : बच्चों से कहिए, घेरे के बीच में लिखे वर्ण को घेरे में लिखे उन्हीं के समान वर्णों से रेखा खींचकर मिलाओ।





अभ्यास 4

उद्देश्य : वर्ण लिखने का अभ्यास।

निर्देश : बच्चों से कहिए, रचना क्रम के अनुसार प्रत्येक वर्ण को लिखो। (शिक्षक ठीक आकृतियाँ बनाने में बच्चों की सहायता करें)।

न न ....

म म ....

ब ब ....

र र ....

पाठ तीन

अभ्यास 1

उद्देश्य : 1. शब्दों की आकृतियों में अंतर करना।
2. शब्द पढ़ने का अभ्यास।

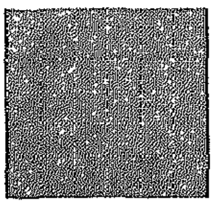
निर्देश : बच्चों से कहिए, प्रत्येक पंक्ति में पहले बाईं ओर के शब्द को देखो। फिर उसे दाईं ओर के शब्दों में से ढूँढ़कर उसके नीचे रेखा खींचो।

कान	नाक	कान	काम
माला	ताला	काला	माला
रात	रात	तार	कार

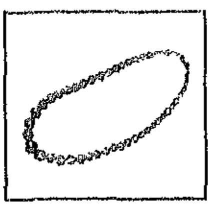
अभ्यास 2

उद्देश्य : चित्र की सहायता से शब्दों को पहचानना।

निर्देश : बच्चों से कहिए, चित्र से चित्र के नाम तक रेखा खींचो।







ताला

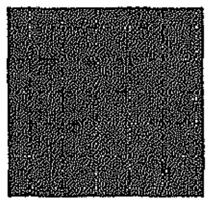
लाल

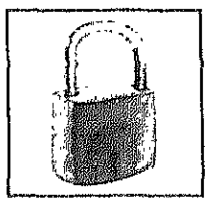
माला

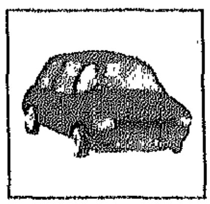
नाक

काला

कार







अभ्यास 3

त

स

क

घ

ल

ता

ला

उद्देश्य : वर्ण तथा आ की मात्रा (ा) लिखने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, प्रत्येक वर्ण के लिखने का क्रम समझो। इन वर्णों को तीन–तीन बार लिखो। अंतिम दो वर्णों में (ा) लगाओ।

पाठ चार

अभ्यास 1

उद्देश्य : 1. शब्दों की आकृतियों में अंतर करना।
2. शब्द को पढ़ने का अभ्यास।

निर्देश : बच्चों से कहिए, प्रत्येक पंक्ति में बाईं ओर के शब्द को पढ़ो। फिर उसे दाईं ओर के शब्दों में से ढूँढ़कर उसके नीचे रेखा खींचो।

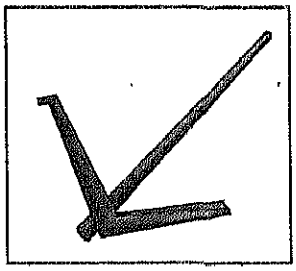
हल	चल	हल	दल
बादल	तबला	बदला	बादल
चना	चाक	चना	नाच
नाव	नाव	दवा	मान

अभ्यास 2

उद्देश्य : चित्र देखकर वस्तु का नाम पहचानना।

निर्देश : बच्चों से कहिए, चित्र से उसके नाम तक रेखा खींचो।



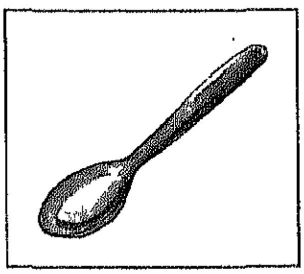


चमचा

दवा

हल

बादल





अभ्यास 3

उद्देश्य : वर्ण लिखने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, प्रत्येक वर्ण को लिखने का क्रम समझो। इन वर्णों को तीन बार लिखो।

c व व ....

....

– च च ....

....

द द ....

....

ह ह ....

....

अभ्यास 4

उद्देश्य : वर्ण लिखने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, ऊपर लिखे वर्ण नीचे की खाली जगह में लिखो। अब इन शब्दों को पढ़ो।

ह		च		द	
....वा	....ल	....ल	....मचा	....वा	....वात

पाठ पाँच

अभ्यास 1

उद्देश्य : 1. शब्दों की आकृतियों में अंतर करना।
2. शब्द पढ़ने का अभ्यास।

निर्देश : बच्चों से कहिए, प्रत्येक पंक्ति में बाईं ओर के शब्द को पढ़ो। फिर उसे दाईं ओर के शब्दों में से ढूँढ़कर उसके नीचे रेखा खींचो।

रेल	केला	मेल	रेल
जब	जेब	जब	कब
खाना	बाजा	खाना	रखना
जाल	जाल	जल	बजा
बेल	खेत	मेल	बेल

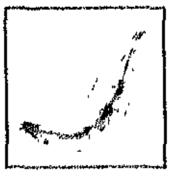
अभ्यास 2

उद्देश्य : सही शब्द चुनना।

निर्देश : बच्चों से कहिए, चित्र के नाम पर गोला लगाओ।



जाल नाक नाव चाक



मेला केला कला बेला



सेब बेर खेल बेल

अभ्यास 3

उद्देश्य : वर्ण लिखने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, प्रत्येक वर्ण को लिखने का क्रम समझो। इन वर्णों को तीन बार लिखो।

ज ज ....

....

र ख ख ....

....

३ उ अ ....

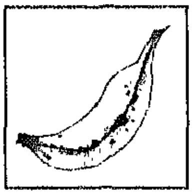
....

अभ्यास 4

उद्देश्य : 'े' (ए की मात्रा) से परिचय तथा उसको लिखने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, अभ्यास में दिए गए शब्दों को पढ़ो। चित्र देखकर उनके नाम पूरे करो और नमूने के अनुसार खाली स्थान भरो।

जब जेब

बल बेल



..........ला

....



..........ब

....

र रे क के म मे

न ...... द ...... ल ......

पाठ छह

मेला

अभ्यास 1

> उद्देश्य : 1. सही शब्द चुनवाना।
> 2. शब्द–ज्ञान बढ़ाना।
> निर्देश : बच्चों से कहिए, खाली जगह में ठीक शब्द चुनकर लिखो।

केलेवाले .... दे।	अनार
....	केला
कमला .... बजा।	बाजा
....	माला
मदन .... ला।	करेला
....	मेला

अभ्यास 2

> उद्देश्य : 1. कहानी के अनुसार प्रासंगिक बात का पता लगाना।
> 2. वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास।
> निर्देश : बच्चों से कहिए, इन वाक्यों को पढ़ो जो वाक्य इस कहानी के बारे में हैं, उनके नीचे रेखा खींचो।

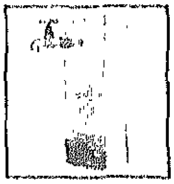
बाजेवाले, बाजा दे।
रेल का खेल देख।
कमला, बाजा बजा।

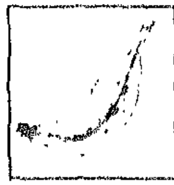
मदन केला खा।
ले कमला, केला खा।
अब केला मत खा।

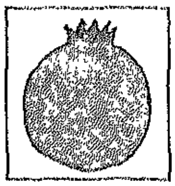
अभ्यास 3

उद्देश्य : 1. शब्द-ज्ञान बढ़ाना। 2. शब्द लिखने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, ऊपर लिखे शब्दों को पढ़ो। अब नीचे बने चित्रों के सामने ऊपर के शब्दों में से चुनकर उनके नाम खाली जगह में लिखो।

केला नल रेल अनार









अभ्यास 4

उद्देश्य : 1. वाक्य लिखने का अभ्यास। 2. सुलेख।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इस वाक्य को लिखो।

बाजेवाले बाजा दे।

....

....

....

....

गतिविधि

अभ्यास 1

उद्देश्य : वर्ण और शब्द पढ़ने और लिखने का अभ्यास।

निर्देश : बच्चों से कहिए, दिए गए वर्णों और शब्दों को पढ़ो। खाली स्थान में इन शब्दों को लिखो।

ब	बा	बे	बो
बस	बात	बेर	बोल
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....
....	....	....	....

अभ्यास 2

उद्देश्य : वर्ण तथा मात्रा लिखने का अभ्यास।

निर्देश : बच्चों से कहिए, वर्णों के लिखने का क्रम समझो। प्रत्येक वर्ण को तीन बार लिखो।

ॱ प प ....

....

१ २ थ थ ....

....

अभ्यास 3

उद्देश्य : रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।

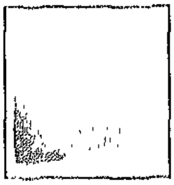
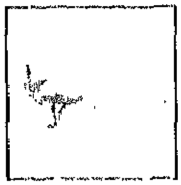
निर्देश : बच्चों से कहिए, कोई चित्र बनाओ।

उद्देश्य : 1. शब्दों को पढ़ने का अभ्यास।
2. चित्रों के नाम लिखना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन शब्दों को पढ़ें। एक–एक करके चित्र देखो। चित्र का नाम ऊपर के शब्दों में से चुनकर सामने की खाली जगह में लिखो।

अभ्यास 4

तोता लोहा थन मोर

बाहर हाथ बालक अदरक

 ....  ....

 ....  ....

उद्देश्य : सुलेख का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन शब्दों को लिखो।

अभ्यास 5

थाल पालक खो खो

....

....

....

....

पाठ आठ

मेले से घर

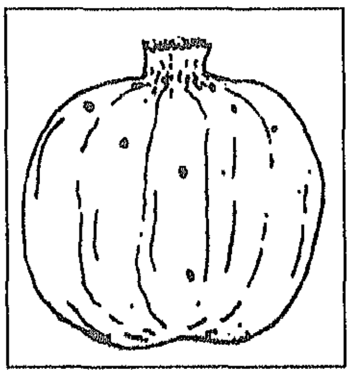
अभ्यास 1

> उद्देश्य : 1. शब्द-ज्ञान बढ़ाना
> 2. सही शब्द चुनना।
> निर्देश : बच्चों से कहिए, सामने लिखे शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य की खाली जगह में लिखो।

लो, ... खाओ।		घर
अपने .... चलो।		बाजा
अब .... मत बजा।		माला
बसवाले, ... रोको।		खाना
कमला, ... पहन।		बस

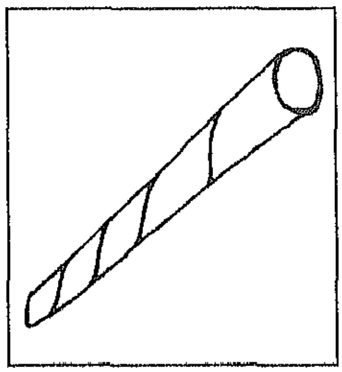
अभ्यास 2

> उद्देश्य : 1. गति–नियंत्रण की कुशलता का विकास।
> 2. चित्र देखकर उसका नाम लिखने का अभ्यास।
> निर्देश : बच्चों से कहिए, इन चित्रों में रंग भरो। इनके नाम नीचे लिखो।



....

....



....

....

अभ्यास 3

उद्देश्य : 1. घटनाक्रम को समझकर वाक्यों को क्रम में रखना। 2. वाक्य पढ़ने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन वाक्यों को पढ़ो। सोचो, पहले क्या हुआ, फिर क्या हुआ और उसके बाद क्या हुआ। 'क' भाग की तरह 'ख' के सामने 1,2, 3 लिखो।

(क) 2. बस से घर चलो।
3. बसवाले, बस रोको।
1. देर मत करो।

(ख) ... मदन, अब सो जा।
... बाजा मत बजा।
... पहले खाना खा।

अभ्यास 4

उद्देश्य : सुलेख का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, ऊपर लिखे वाक्य को पढ़कर नीचे लिखो।

मेरे साथ घर चलो।

....

....

....

....

पाठ नौ

अभ्यास 1

उद्देश्य : 1. शब्दों की आकृतियों में विभेदीकरण।
2. शब्द को पढ़ने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, प्रत्येक पंक्ति में पहले बाईं ओर के शब्द को पढ़ो। अब दाईं ओर के शब्दों में से उस शब्द को ढूँढ़कर उसके नीचे रेखा खींचो।

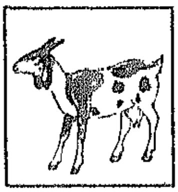
नानी	रानी	नानी	नीना
बाग	बाघ	नाव	बाग
चील	चील	लीची	नीचे
आम	आग	आज	आम

अभ्यास 2

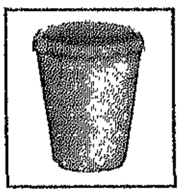
उद्देश्य : 1. शब्द पढ़ने का अभ्यास।
2. चित्रों के लिए सही शब्द चुनना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन शब्दों को पढ़ो। नीचे के चित्र देखो। इनके नाम ऊपर के शब्दों में से चुनकर चित्र के सामने खाली जगह में लिखो।

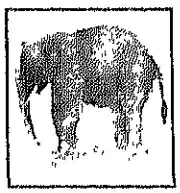
रेल सहेली नाम बकरी

गमला बाघ पीला हाथी









अभ्यास 3

उद्देश्य : लिखने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन वर्णों को दिए गए क्रम के अनुसार लिखो।

अ अ। आ ....

ग ....

ए ....

च ची ची ....

अभ्यास 4

उद्देश्य : लिखने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन शब्दों को पढ़ो। नीचे खाली जगह में अ, आ लिखो। अब इन शब्दों को पढ़ो।

अ	आ
अब	आम
अनार	आज
अमर	आना
......पना	......ग
......दरक	......ए

पाठ दस

कमला की सहेली

अभ्यास 1

उद्देश्य : कहानी के अनुसार प्रासंगिक बात का पता लगाना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन वाक्यों को पढ़ो। जो वाक्य इस कहानी के बारे में है, उनके नीचे रेखा खींचो।

मेले से हम बाजा लाए।
मेले से हम अनार लाए।
मेले से हम माला लाए।

मीरा, देख मोती।
आज, मेरे घर चल।
ले, बाजा बजा।

अभ्यास 2

उद्देश्य : सही शब्द चुनकर वाक्य पूरा करना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, वाक्य की खाली जगह में सामने के दो शब्दों में से सही शब्द ढूँढ़कर लिखो।

मीरा .... गाएगी।	खाना / गाना
मेरी .... देख।	माला / बाजा
देख, मेरी .... माला।	लाल / काला

अभ्यास 3

उद्देश्य : 1. शब्द निर्माण।
2. शब्द पढ़ने का अभ्यास।

निर्देश : बच्चों से कहिए, दिए गए शब्दों को पढ़ो। वर्णों का स्थान बदलकर नए शब्द बनाओ और उन्हें खाली जगह में लिखो। (उदाहरण देखो।)

हवा	वाह
खीरा	राखी
बस	....
जेब	....
नाच	....
रहा	....

अभ्यास 4

उद्देश्य : 1. वाक्य लिखने का अभ्यास।
2. सुलेख का अभ्यास।

निर्देश : बच्चों से कहिए, इस वाक्य को दो बार लिखो।

हम मेले गए थे।

....

....

....

....

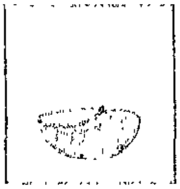
पाठ ग्यारह

अभ्यास 1

उद्देश्य : इ, ई की मात्राओं का ज्ञान।
निर्देश : बच्चों से कहिए, बिंदुओं को मिलाकर शब्द पूरा करो। अब इन शब्दों को पढ़ो। चित्र देखकर उनके नाम लिखो।

मिल दिन पिला गिलास

मीरा दीप पीला गीला


....
....


....
....

अभ्यास 2

उद्देश्य : लिखने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, वर्ण के लिखने के क्रम को समझो और वर्ण को तीन बार लिखो।

ट ....
....

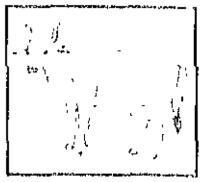
य य ....
....

अ आ ओ ओ ....
....

अभ्यास 3

उद्देश्य : 1. वर्ण–ज्ञान। ट और य की ध्वनि और आकृति से परिचय। 2. लिखने का अभ्यास।

निर्देश : बच्चों से कहिए, ट के नीचे बने चित्रों के नाम बताओ। खाली जगह में वह वर्ण लिखो जिससे चित्र का नाम पूरा होता है। इसी तरह य के लिए करो।

ट		य	
	...... हनी		गा ......
	...... मा ...... र		चा ......

अभ्यास 4

उद्देश्य : रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।

निर्देश : बच्चों से कहिए, चित्र बनाओ।

टमाटर

गिलास

दीया

टोकरी

पाठ बारह

आओ खाना खाओ

अभ्यास 1

उद्देश्य : 1. कहानी के अनुसार अप्रासंगिक बात का पता लगाना।
2. वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास।

निर्देश : बच्चों से कहिए, पहले चार वाक्यों को पढ़ो। बताओ, इनमें से कौन सा वाक्य इस कहानी में नहीं आया। उसके नीचे रेखा खींचो। इसी तरह दूसरा अभ्यास करो।

1. सब मिलकर खाना खाओ।
मीरा को साथ लाओ।
मदन आओ।
अब बाजा बजाओ।

2. आओ, खाना खाओ।
यह लो, पानी का गिलास।
अब सब केला खाओ।
खाना चबा–चबाकर खाओ।

अभ्यास 2

उद्देश्य : वाक्य लिखने का अभ्यास।

निर्देश : बच्चों से कहिए, इस वाक्य को लिखो।

मटर की टोकरी लाओ।

....

....

....

....

उद्देश्य : चित्र संकेत द्वारा संबंधित वाक्य पहचानना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, पहला चित्र देखो। उसके सामने लिखे वाक्य पढ़ो। अब वह वाक्य ढूँढ़ो जिसके बारे में यह चित्र है। फिर चित्र से उस वाक्य तक रेखा खींचो। इसी तरह अन्य अभ्यास करो।



किताब से मत खेलो।
मीरा, बाजा बजाओ।
कमला, मेरे घर चल।



मिलकर खाना खाओ।
मेरी माला लो।
लो, पानी का गिलास।



केलेवाले से आम लो।
मदन, कमला, केले लो।
पिताजी, बाजा लो।

पाठ तेरह

अभ्यास 1

उद्देश्य : वर्ण लिखने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, बिंदुओं को मिलाकर वर्ण पूरा करो। इसे तीन बार लिखो।

उ उ ....

ड ड ....

इ इ ....

ई ई ....

पु पु ....

अभ्यास 2

उद्देश्य : चित्र द्वारा शब्द-ज्ञान बढ़ाना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, चित्रों के नाम बताओ। अब चित्रों के सामने उनके नाम लिखो।



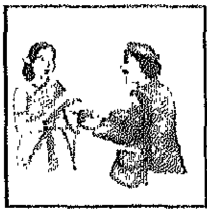
....

....



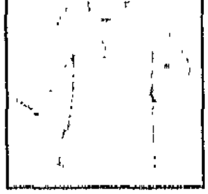
....

....



....

....



....

....

अभ्यारा 3

उद्देश्य : इ, ई तथा उनकी मात्राओं का अभ्यास कराना।
निर्देश : पहली पंक्ति (ऊपर से नीचे) के शब्दों को पढ़ो। अब दूसरी पंक्ति पढ़ो और इनमें अंतर मालूम करो। इन शब्दों को खाली जगह में लिखो।

इन	**ईख**	....	....
		....	....
खिल	**खील**	....	....
		....	....
दिया	**दीया**	....	....
		....	....
बिन	**बीन**	....	....
		....	....
पिला	**पीला**	....	....

अभ्यास 4

उद्देश्य : 1. सीखी हुई मात्राओं का व्यंजनों के साथ अभ्यास।
2. उच्चारण तथा लिखने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, ऊपर की पंक्ति को दो बार पढ़ो। अब नीचे लिखे वर्णों को उसी प्रकार लिखो। (शिक्षक बालकों की सहायता करें)। अब चारों पंक्तियों को पढ़ो।

क का कि की कु के को

ब ....

....

म ....

....

द ....

....

पाठ चौदह

गाय आ गई

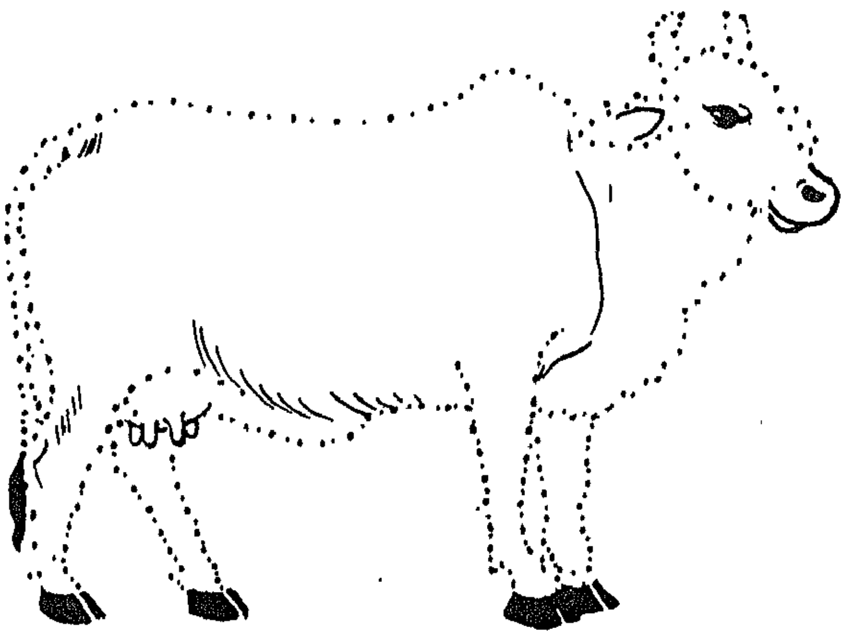
अभ्यास 1

उद्देश्य : सही शब्द चुनकर वाक्य पूरा कराना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, दाईं ओर लिखे शब्दों में से सही शब्द चुनकर वाक्य की खाली जगह में लिखो।

हमारी गाय .... लाए थे।	मदन
....	पिताजी
गाय ने .... खाई।	घास
....	पानी
गाय .... से पानी पिएगी।	बालटी
....	टोकरी

अभ्यास 2

उद्देश्य : 1. गति – नियंत्रण की कुशलता का विकास।
2. रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा करो। अब इसमें रंग भरो।



अभ्यास 3

उद्देश्य : कहानी के अनुसार अप्रासंगिक बात का पता लगाना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन वाक्यों को पढ़ो। जो वाक्य इस कहानी में नहीं आया है, उसके नीचे रेखा खींचो।

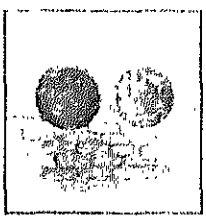
गाय घर आ गई।
गाय के पास चल।
यह गाय चाचाजी लाए थे।
पिता जी गाय ले आए।

गाय पानी पिएगी।
गाय को रोटी खिला।
उसके लिए घास ला।
गाय के आगे घास डाल।

अभ्यास 4

उद्देश्य : उ और उ की मात्रा (ु) का ज्ञान।
निर्देश : बच्चों से कहिए, उ और पु के सामने खाली जगह में उ और पु लिखो। नीचे लिखे शब्दों को पढ़ो और उनके सामने खाली जगह में उन्हें लिखो। चित्रों के सामने खाली जगह में उनके नाम लिखो।

उ	....	पु	....
उजाला	....	पुल	....
उपला	....	पुराना	....


....


....

पाठ पंद्रह

उद्देश्य : 1. शब्दों की आकृतियों में विभेदीकरण।
2. शब्द को पढ़ने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, प्रत्येक पंक्ति में पहले बाईं ओर के शब्द को पढ़ो। फिर उसे दाईं ओर के शब्दों में से ढूँढ़कर उसके नीचे रेखा खींचो।

अभ्यास 1

चूहा	चाकू	चूहा	जूता
सड़क	सहेली	सड़क	सरकस
धागा	धोबी	गधा	धागा
शाम	शाम	शाल	साथी
ऊपर	उपला	ऊपर	ऊन

उद्देश्य : 1. उ, ऊ तथा उनकी मात्राओं का अभ्यास।
2. ध्वनियों में अंतर सिखाना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, पहली पंक्ति (ऊपर से नीचे) के शब्दों और वर्णों, को पढ़ो। अब इनमें अंतर मालूम करो। फिर इनको खाली जगह में लिखो। फिर नीचे के शब्द खाली जगह में लिखो।

अभ्यास 2

उपला	ऊन
उसका	ऊपर
उ	ऊ ....
पुल	पूजा ....
पु	पू ....

गुड़िया धूल जूता दुकान

....

....

अभ्यास 3

उद्देश्य : सीखे हुए वर्णों की सहायता से शब्द बनाओ।
निर्देश : बच्चों से कहिए, ऊपर लिखे वर्णों को पढ़ो। इनमें से सही वर्ण छाँटकर नीचे खाली जगहों में लिखकर शब्द बनाओ।

हा	ध	ठो	न	ड़
श	य	ख	ड	ल

दू ………… ऊ ………… उ …………

गा ………… चू ………… ना …………

खरगो ………… पे ………… फ …………

अभ्यास 4

उद्देश्य : लिखने का अभ्यास।
निर्देश : इन वर्णों को लिखो।

उ ऊ ऊ ………… ………… …………

ध ध ध ………… ………… …………

ड ड़ ड़ ………… ………… …………

श श श ………… ………… …………

अभ्यास 5

उद्देश्य : चित्रों की सहायता से शब्द लिखना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, चित्र देखो। चित्र का नाम उसके सामने लिखो।


....
....

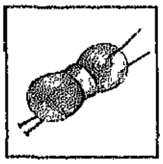

....
....


....
....


....
....


....
....


....
....


....
....


....
....

अभ्यास 6

उद्देश्य : मिलती–जुलती ध्वनियों के उच्चारण में अंतर सिखाना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, ऊपर लिखे वर्णों को पढ़ो। नीचे खाली जगह में स और श लिखो। अब इन शब्दों को पढ़ो।

स	श
.... ड़क	.... हर
....	....
घा	रे .... म
....	....
क .... रत	खरगो ....
....	....

पाठ सोलह

कमला की गुड़िया

अभ्यास 1

उद्देश्य : सही शब्द चुनकर वाक्य पूरा कराना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, वाक्य की खाली जगह में सामने के शब्दों में से सही शब्द चुनकर लिखो।

कमला के पास .... थी।	कपड़ा गुड़िया
कमला ने गुड़िया को .... पहनाई।	तलवार सलवार
गुड़िया .... बन गई।	दुलहन लड़की
कमला ने गुड़िया को .... लपेटी।	कुरता शाल

अभ्यास 2

उद्देश्य : रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।
निर्देश : गुड़िया का चित्र बनाओ। चित्र के नीचे अपनी गुड़िया का नाम लिखो।

गुड़िया बनाओ

पाठ सत्रह

अभ्यास 1

> उद्देश्य : 'ए', 'ऐ' की ध्वनियों तथा मात्राओं से परिचित कराना।
> निर्देश : बच्चों से कहिए, पहली पंक्ति (ऊपर से नीचे) के शब्दों और वर्णों को पढ़ो। फिर दूसरी पंक्ति के शब्दों और वर्णों को पढ़ो। ध्वनि तथा आकृति में अंतर स्पष्ट कीजिए।

एक	ऐनक
एड़ी	ऐसा
ए	ऐ
मेला	मैला
मे	मै
बेल	बैल
बे	बै

अभ्यास 2

> उद्देश्य : लिखने का अभ्यास।
> निर्देश : बच्चों से कहिए, इन वर्णों और शब्दों को लिखो।

भ भ भ भ ....

....

झ झ झ झ ....

....

गोभी	भाई	झाड़ी	झाड़ू
....	....	....	....
....	....	....	....

उद्देश्य : 1. शब्दों की आकृतियों में विभेदीकरण।
2. शब्द को पढ़ने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, प्रत्येक पंक्ति में पहले बाईं ओर के शब्द को पढ़ो। फिर उसे दाईं ओर के शब्दों में से ढूँढ़कर उसके नीचे रेखा खींचो।

अभ्यास 3

पैर	पैसा	बैल	पैर
झूला	झूला	झूलना	झूलो
ऐनक	ऐसा	ऐनक	सेना
भालू	आलू	भूसा	भालू
चूहा	चूहा	जूता	चाकू

उद्देश्य : रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, चित्र बनाकर उनमें रंग भरो।

अभ्यास 4

थैला

ऐनक

पेड़

तराजू

पाठ अठारह

झूला झूलो

अभ्यास 1

उद्देश्य : 1. कहानी का प्रत्यास्मरण। 2. पठन–अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन वाक्यों को एक–एक कर के पढ़ो और सोचो कहानी में यह बात हुई है या नहीं। वाक्यों के सामने ✓ या × का निशान लगाओ। (बच्चे पुस्तक की मदद ले सकते हैं)।

— मदन के घर के पास नीम का एक पेड़ था।

— रहीम के पिता जी ने झूला डाला।

— कमला सलमा के घर गई।

— मदन ने कमला को झुलाया।

— मीरा के साथ सलमा ने गाना गाया।

अभ्यास 2

उद्देश्य : सुलेख।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इस वाक्य को पढ़ो और नीचे की खाली जगह में लिखो।

सब मिलकर झूला झूलो।

....

....

....

....

....

....

अभ्यास 3

उद्देश्य : सही शब्द चुनकर वाक्य पूरा कराना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, वाक्य की खाली जगह में सामने के शब्दों में से सही शब्द चुनकर लिखो।

घर के आगे नीम का .... था।	घर
सब .... झूलना चाहते थे।	पेड़
पिताजी ने पेड़ पर झूला .... ।	गाया
कमला, सलमा के .... गई।	झूला
कमला ने गाना .... ।	डाला

अभ्यास 4

उद्देश्य : रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, झूले का चित्र बनाओ।

झूला

पाठ उन्नीस

अभ्यास 1

उद्देश्य : औ तथा उसकी मात्रा से परिचय।
निर्देश : दोनों पंक्तियों (ऊपर से नीचे) के शब्दों और वर्णों को पढ़ो और सामने की खाली जगह में लिखो।

औरत	चौकी ....
और	चौड़ा ....
औ	चौ ....
लौकी	पौधा ....
लौ	पौ ....

अभ्यास 2

उद्देश्य : लिखने का अभ्यास।
निर्देश : इन वर्णों को लिखो।

ᒐ प फ फ ....

....

ᒐ ७ छ ....

....

अभ्यास 3

उद्देश्य : 1. फ और फ़ के उच्चारण में अंतर करना।
2. रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, शब्दों को पढ़ो और फलों का चित्र बनाओ।

फ	फल	फली	सफल	फन
फ़	साफ़	माफ़	फ़सल	बरफ़

अभ्यास 4

उद्देश्य : ओ तथा औ की मात्रा पहचानना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन शब्दों को पढ़ो। इनमें से ओ की मात्रा वाले शब्द पहली पंक्ति में तथा औ की मात्रा वाले शब्द दूसरी पंक्ति में लिखो।

पौधा	कौआ	छोटा
खोलो	मोर	मौसी

....

....

....

....

पाठ बीस

खिलौनेवाला

अभ्यास 1

उद्देश्य : 1. अप्रासंगिक बात का पता लगाना।
2. पढ़ने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन वाक्यों को पढ़ो। कहानी के अनुसार जो वाक्य ठीक है उन पर ✓ और जो गलत है उन पर × का निशान लगाओ।

— खिलौनेवाले के पास भालू है।

— बड़े हाथी के पीछे गाय है।

— खिलौनेवाले ने गुड़िया की चाबी घुमाई।

— मदन और कमला घर से दौड़े आए।

— गुड़िया गाना गाने लगी।

— मीरा ने डुगडुगी बजाई।

अभ्यास 2

उद्देश्य : 1. प्रत्यास्मरण। 2. लिखने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इस प्रश्न का उत्तर नीचे की खाली जगह में लिखो।

खिलौनेवाले के पास कौन–कौन से खिलौने थे?

....

....

....

....

अभ्यास 3

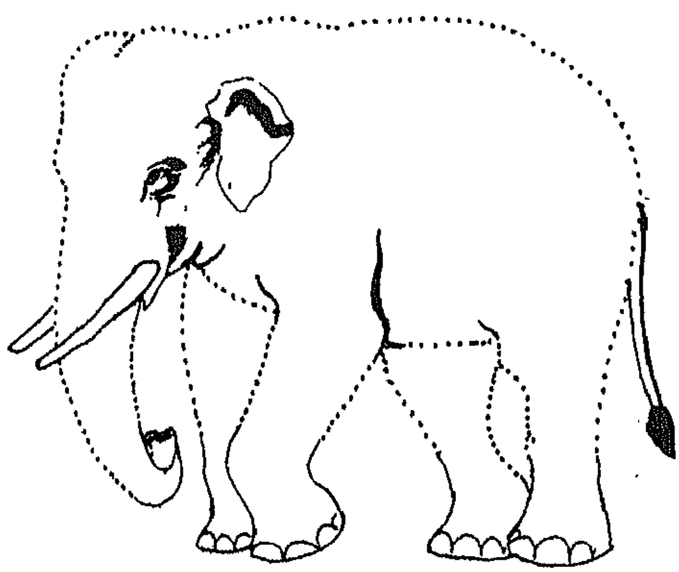
उद्देश्य : प्रसंग–संकेत से शब्द पहचानकर लिखना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, दाईं ओर लिखे शब्दों में से सही शब्द ढूँढकर एक–एक वाक्य पूरा करो।

खिलौनेवाले ने .... बजाई।	गुड़िया
रहीम ने बड़ा .... लिया।	जेब
मदन ने .... से पैसे निकाले।	डुगडुगी
देखो, यह .... नाचती है।	खिलौने
सभी .... लेकर खुश थे।	हाथी

अभ्यास 4

उद्देश्य : गति नियंत्रण की कुशलता का विकास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, बिंदुओं को मिलाकर चित्र पूरा करो। अब इसमें रंग भरो।

हाथी



पाठ इक्कीस

अभ्यास 1

उद्देश्य : ड, ड़ और ढ, ढ़ की आकृतियों की पहचान।
निर्देश : बच्चों से कहिए, बाईं ओर लिखे शब्द को पढ़ो। अब दाईं ओर के शब्द को पढ़ो। अब दाईं ओर लिखे शब्दों में से उस शब्द को चुनकर उसके नीचे रेखा खींचो।

ढकना	ढालना	डालना	ढकना
सीढ़ी	सीढ़ी	साड़ी	सीटी
गुड़िया	चिड़िया	गुड़िया	पुड़िया
थोड़ा	घोड़ा	पढ़ो	थोड़ा
चढ़ना	चढ़ना	पड़ना	पढ़ना
डाक	ढाक	डाक	डाल

अभ्यास 2

उद्देश्य : 1. ढ और ढ़ के उच्चारण का अभ्यास।
2. लिखने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, पहली पंक्ति (ऊपर से नीचे) पढ़ो। अब दूसरी पंक्ति पढ़ो। खाली जगह में ढ और ढ़ लिखो और फिर वाक्य पढ़ो।

ढपली	पढ़
ढकना	चढ़
ढ	ढ़

मदन, यह किताब प........ ।

........ोल बज रहा है।

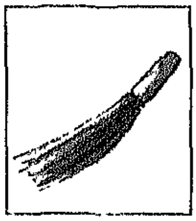
सी........ी से ऊपर चढ़ो।

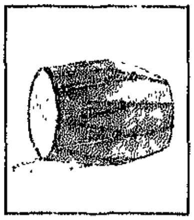
ढोलक बजी ढम ....म।

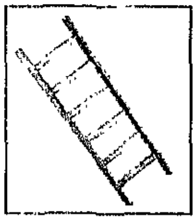
अभ्यास 3

उद्देश्य : चित्र संकेत द्वारा शब्द लिखने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, चित्रों के सामने उनके नाम लिखो।

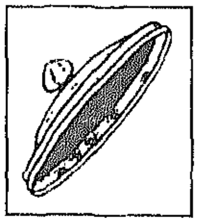

....
....


....
....


....
....


....
....


....
....


....
....

अभ्यास 4

उद्देश्य : 1. पठन अभ्यास।
2. रचनात्मक अभिव्यक्ति का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन शब्दों को पढ़ो। इनमें से किसी एक का चित्र बनाओ।

पंखा **पंख** **बंदर** **कंघा**

पाठ बाईस

मदन घूमने गया

अभ्यास 1

उद्देश्य : कहानी का प्रत्यास्मरण।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन वाक्यों को एक–एक करके पढ़ो। बताओ, यह किसने कहा। वाक्य से उसके नाम तक रेखा खींचो।

मदन, बंदर को केला दो।	माताजी
अहा, कितने सुंदर लाल फूल !	पिताजी
इनसे रंग बनाना और होली खेलना।	कमला

अभ्यास 2

उद्देश्य : विलोम शब्दों द्वारा शब्द–ज्ञान बढ़ाना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, ऊपर की पंक्ति पढ़ो। खाली जगह में शब्द के उलटे अर्थवाला शब्द लिखो।

नीचे	ऊपर	दूर	....
आगे	....	दिन	....
छोटा	....	मोटा	....

अभ्यास 3

उद्देश्य : अनुस्वार के चिह्न पढ़ने तथा लिखने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन शब्दों को पढ़ो और खाली जगह में लिखो।

अंगूर पंख डंडा खंभा

....

....

झंडा जंगल इंजन बंदर

....

....

पाठ तेईस

अभ्यास 1

उद्देश्य : ठ, ष की पहचान तथा लिखने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, वर्ण के नीचे लिखे शब्दों को पढ़ो। खाली जगह में इन वर्णों को लिखो।

ठ	ष
आठ	धनुष
पीठ	उषा
गाँठ	सुषमा

ठ ....

....

ष ....

....

अभ्यास 2

उद्देश्य : ट और ठ ध्वनियों में अंतर स्पष्ट करना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, ऊपर लिखे वर्णों से नीचे के खाली स्थान भरो। अब इन शब्दों को पढ़ो।

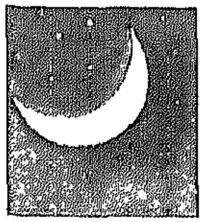
ट	ठ
..........माटर	आ..........
....	....
म.......र	पा..........
....	....
..........हनी	उ.......ना
....	....

अभ्यास 3

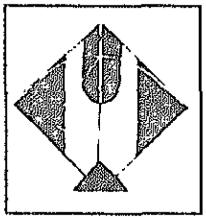
उद्देश्य : अनुस्वार 'ं' और अनुनासिक 'ँ' ध्वनियों में अंतर स्पष्ट करना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन चित्रों को देखो। इनके नाम सामने की खाली जगह में लिखो। अब इन्हें पढ़ो।



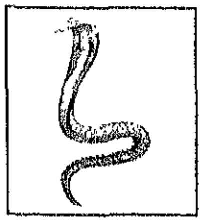
....
....



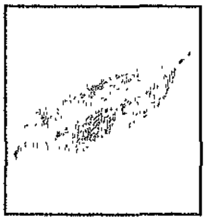
....
....



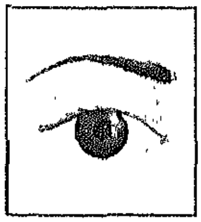
....
....



....
....



....
....



....
....

अभ्यास 4

उद्देश्य : सुलेख।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इस वाक्य को नीचे खाली पंक्तियों में लिखो।

उषा ने पाँच पाठ पढ़े।

....
....
....
....

पाठ चौबीस

आँखमिचौनी

अभ्यास 1

> उद्देश्य : 1. कहानी के घटनाक्रम को समझना।
> 2. वाक्यों को पढ़ने का अभ्यास।
> निर्देश : बच्चों से कहिए, पहले इन वाक्यों को पढ़ो। सोचो, कहानी में पहले क्या हुआ, फिर क्या हुआ और बाद में क्या हुआ। फिर उसी क्रम में वाक्यों की दाईं ओर खाली जगह में 1,2,3 आदि लिखो।

– सलमा बोली – चलो, अब आँखमिचौनी खेलें।

– मदन उनको ढूँढ़ने लगा।

– आँखमिचौनी का खेल होने लगा।

– मदन ने परदे के पीछे देखा।

– मदन बोला – ढूँढ़ लिया।

अभ्यास 2

> उद्देश्य : शब्द-ज्ञान बढ़ाना। (विलोम)
> निर्देश : बच्चों से कहिए, इन शब्दों के उलटे अर्थवाले शब्द लिखो। अब वाक्य पूरे करो।

दूर पास	ऊपर ....
भीतर	उठना ....
यहाँ	हँसना ....

मेरा घर उषा के घर के .... है।

हाकी घर के .... खेलो।

अभ्यास 3

उद्देश्य : शब्द–ज्ञान बढ़ाना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, खेलों के नाम पढ़ो। सोचो, कौन से खेल घर के भीतर खेले जाते हैं। उनके नाम से घर के चित्र तक रेखा खींचो। इसी तरह घर के बाहर खेले जाने वाले खेलों से पेड़ के चित्र तक रेखा खींचो।

आँखमिचौनी

पतंग उड़ाना

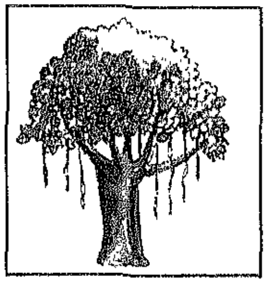
गुड़िया का खेल

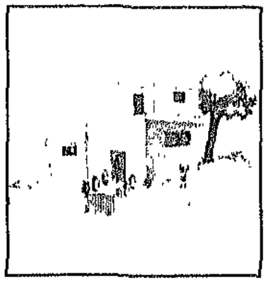
गेंद

हाकी

लूडो

दौड़ लगाना





अभ्यास 4

उद्देश्य : सुलेख।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इस वाक्य को नीचे खाली पंक्तियों में लिखो।

आओ, सब आँखमिचौनी खेलें।

....

....

....

....

....

....

पाठ पच्चीस

दशहरे का मेला

अभ्यास 1

उद्देश्य : कहानी का प्रत्यास्मरण।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन वाक्यों को एक–एक करके पढ़ें और बताओ, कहानी में यह बात हुई है या नहीं। यदि हुई है तो उसके सामने हाँ लिखो। यदि नहीं हुई तो उसके सामने लिखो नहीं।

रक्षा ने श्रीराम का चित्र खरीदा। ☐

मदन ने किताब खरीदी। ☐

ज्ञान के हाथ में धनुष–बाण था। ☐

रावण के पुतले में आग लग गई। ☐

पिता जी ने बालकों को फल ले दिए। ☐

अभ्यास 2

उद्देश्य : संयुक्ताक्षर लिखने का अभ्यास कराना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन्हें लिखने के क्रम को समझो और तीन-तीन बार लिखो।

७	त्र	त्र	त्र	....	....	....	....
				....	....	....	....
२	ञ	ज्ञ	ज्ञ	....	....	....	....
				....	....	....	....
१	क्ष्	क्ष	क्ष	....	....	....	....
				....	....	....	....
९	श्	श्र	श्र	....	....	....	....
				....	....	....	....

अभ्यास 3

> उद्देश्य : ण, क्ष, त्र, ज्ञ, श्र के पढ़ने तथा लिखने का अभ्यास कराना।
> निर्देश : बच्चों से कहिए, ऊपर लिखे वर्णों को पढ़ो। नीचे की खाली जगह में इन वर्णों को लिखकर, शब्दों को पढ़ो। (शिक्षक इनके उच्चारण तथा आकृतियों की ओर विशेष ध्यान दें)।

ण   क्ष   त्र   ज्ञ   श्र

बा······   र······ा   मि······   ······ान   ······ी

राव······   क······ा   प······   आ······ा   ······म

किर······   प······ी   पु······   य······   ······ीमान

अभ्यास 4

> उद्देश्य : रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।
> निर्देश : बच्चों से कहिए, धनुष तथा बाण के चित्र बनाओ।

चित्र बनाओ।

पाठ छब्बीस

उद्देश्य : वर्णमाला लिखने का अभ्यास।

निर्देश : बच्चों से कहिए, वर्णमाला याद करके लिखो। (शिक्षक इस पृष्ठ पर बालकों से पूरी वर्णमाला लिखवाएँ)

छ छा छि छी छु छू छे छै छो छौ

....

झ..

....

ढ..

....

थ..

....

भ..

....

श..

....

ध..

....

ह..

....

उद्देश्य : मात्रा सहित वर्ण लिखने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, ऊपर की पंक्ति की तरह नीचे लिखे वर्णों को मात्रा के साथ लिखो।

पाठ सत्ताईस

आओ बगीचा लगाएँ

अभ्यास 1

> उद्देश्य : घटनाक्रम को समझना।
> निर्देश : बच्चों से कहिए, 'क' भाग के वाक्यों को पढ़ो। सोचो, पहले क्या हुआ। फिर क्या हुआ? फिर खाली जगह में क्रम से 1,2,3 लिखो। इसी प्रकार नीचे का अभ्यास करो।

(क) — फिर मैदान में खूब पानी डाला।
— बच्चों ने क्यारियाँ बनाई।
— बच्चों ने खुरपी से ज़मीन खोदी।

(ख) — क्यारियों में बीज बोए।
— पौधों में फूल निकल आए।
— अंकुर निकल आए।

अभ्यास 2

> उद्देश्य : संयुक्ताक्षर वाले शब्द लिखने का अभ्यास।
> निर्देश : बच्चों से कहिए, इन शब्दों को खाली जगह में लिखो।

कक्षा ....

रक्षा ....

पत्र ....

मित्र ....

ज्ञान ....

यज्ञ ....

श्रीमान ....

श्रीमती ....

अभ्यास 3

उद्देश्य : 1. शब्द–ज्ञान बढ़ाना।
2. शब्दों का सही प्रयोग सिखाना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, ऊपर की पंक्तियों में लिखे शब्दों को पढ़ो। नीचे के वाक्य पढ़कर खाली जगह में सही शब्द भरो।

खुरपा	खुरपे	खुरपों से
पौधा	पौधे	पौधों में
खिलौना	खिलौने	खिलौनों को

इन .... फूल निकल आए।

सब बच्चे एक–एक .... ले लो।

रंग–बिरंगे .... बिक रहे थे।

रमा ने .... से घास खोदी।

अभ्यास 4

उद्देश्य : रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, फूलों की क्यारी का चित्र बनाओ।

चित्र बनाओ।

पाठ अट्ठाईस

चुनमुन

अभ्यास 1

उद्देश्य : कहानी का प्रत्यास्मरण।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन प्रश्नों के उत्तर लिखो।

चुनमुन कौन था ?

....

....

चुनमुन क्यों रो रहा था ?

....

....

अभ्यास 2

उद्देश्य : कहानी के पात्रों के बारे में प्रतिक्रिया जानना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, बाईं ओर लिखे प्रश्नों को बारी-बारी से पढ़ो। दाईं ओर के शब्दों में से सही उत्तर ढूँढकर उस तक रेखा खींचो।

चुनमुन कैसा था ?	अच्छी
मुरगी माँ कैसी थी ?	भला
बगुला कैसा था ?	शरारती

अभ्यास 3

उद्देश्य : वाक्य निर्माण।
निर्देश : बच्चों से कहिए, बाईं ओर लिखे शब्दों के वाक्य बनाओ।

मटर   हम मटर खाते हैं।

छोटा ....
....

चोंच ....
....

मित्र ....
....

अभ्यास 4

उद्देश्य : कविता का आनंद लेना।
निर्देश : सभी बच्चों से इस कविता को अभिनयात्मक ढंग से गाने को कहिए।

चुनमुन कहीं न जाना,
इधर–उधर मत खाना,
पर देख मटर के दाने,
वह लगा मजे से खाने।
जब मटर गले में अटकी,
तब समझी अपनी गलती।
चुनमुन रोया पछताया,
तब माँ ने गले लगाया।

पाठ उनतीस

दो बकरियाँ

अभ्यास 1

उद्देश्य : प्रसंग के अनुसार सही शब्द चुनना सिखाना।
निर्देश : बच्चों से कहिए, दाईं ओर दिए गए दोनों शब्दों में से सही शब्द चुनकर खाली जगह में लिखो।

घास .... थी।	हरी / पीली
दोनों बकरियाँ .... थीं।	अच्छी / बुरी
पुल बहुत .... था।	चौड़ा / तंग
बकरी ने सिर .... उठाया।	ऊपर / नीचे

अभ्यास 2

उद्देश्य : 1. कहानी का प्रत्यास्मरण। 2. पढ़ने का अभ्यास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, इन वाक्यों को एक-एक करके पढ़ो और बताओ, कहानी में यह बात हुई है या नहीं। यदि हुई है तो उसके सामने 'हाँ' लिखो। यदि नहीं हुई तो उसके सामने लिखो – 'नहीं'।

नाले के किनारे हरी–हरी घास लगी थी। ☐

दोनों बकरियाँ घास चर रही थीं। ☐

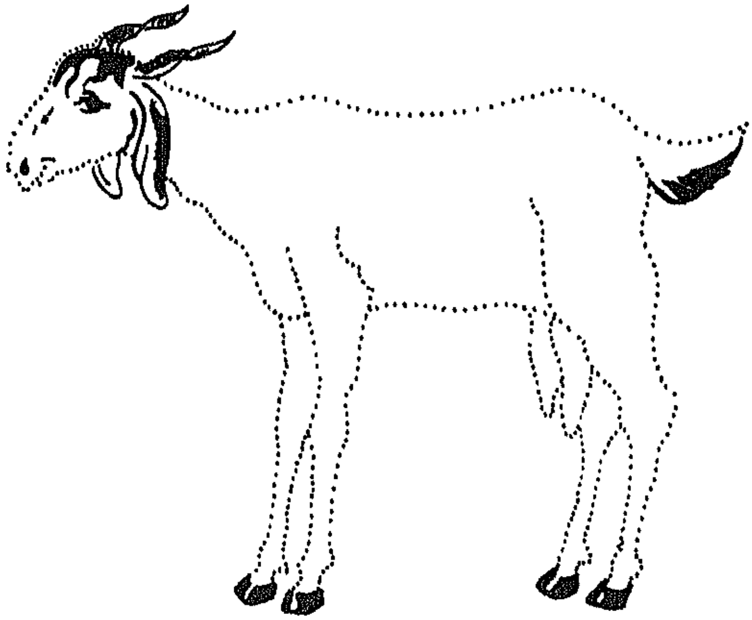
नाले पर बहुत बड़ा पुल बना था। ☐

एक बकरी पुल पर बैठ गई। ☐

दूसरी उसके ऊपर से निकल गई। ☐

दोनों बकरियाँ पुल पर लड़ने लगीं। ☐

अभ्यास 3



उद्देश्य : रचनात्मक अभिव्यक्ति का विकास।
निर्देश : बच्चों से कहिए, बकरी के चित्र में रंग भरो और बकरी के बारे में कुछ वाक्य लिखो।

भारत का संविधान

भाग 4अ

नागरिकों के मूल कर्त्तव्य

अनुच्छेद 51अ

मूल कर्त्तव्य – भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्त्तव्य होगा कि वह –

(क) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे,

(ख) स्वतंत्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आंदोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे,

(ग) भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण बनाए रखे,

(घ) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे,

(ङ) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभावों से परे हो, ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो महिलाओं के सम्मान के विरुद्ध हों,

(च) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे,

(छ) प्राकृतिक पर्यावरण की, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे,

(ज) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे,

(झ) सार्वजनिक संपत्ति को सुरक्षित रखे और हिंसा से दूर रहे, और

(ञ) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत् प्रयास करे, जिससे राष्ट्र निरंतर बढ़ते हुए प्रयत्न और उपलब्धि की नई ऊंचाइयों को छू सके।